राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 11 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-51 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज उपेक्षित रही परंपराएं और विरासत पुनर्जीवित हो गई : जयशंकर

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि लंबे समय से उपेक्षित रही परंपराएं और विरासत अब पुनर्जीवित हो गई हैं। ज्यादा भाषाओं को शास्त्रीय दर्जा प्राप्त है और भारतीय प्रथाओं को नया प्रोत्साहन और गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि इसका सार यह है कि इंडिया आज भारत बन चुका है। यह बात बुधवार को जयशंकर एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) परिवर्तन को मान्यता देता है और मुझे यकीन है कि यह इसे अपने भविष्य के कार्यों में शामिल करेगा। आईसीसीआर विदेश मंत्रालय के अंतर्गत आता है। जयशंकर ने कहा कि किसी भी संस्था के लिए 75 साल विकास और विस्तार का अहम समय होता है...। उन्होंने यह भी कहा कि यह समय और भी अहम हो जाता है। खासकर उस परिवेश को देखते हुए जिसमें ये संस्थाएं काम करती हैं। जयशंकर ने कहा कि हमारा राष्ट्र और हमारा समाज काफी बदल गया है। आज हम अपनी पहचान व्यक्त करने और इसकी समझ को बढ़ावा देने के मामले में पहले की तुलना में ज्यादा आश्वस्त, प्रामाणिक और प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में हमारी संस्कृति, विरासत और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ी है। वास्तव में हम अपनी परंपराओं के कई पहलुओं पर गर्व महसूस करते हैं, जो अब कई पहल और योजनाओं में दिख रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, हमारे पर्यटन को बढ़ावा देना और विश्व धरोहर स्थलों की संख्या में वृद्धि इनमें शामिल है।

विमान लैंड करते ही आया पायलट को अटैक और हो गई मौत

नई दिल्ली। श्रीनगर से दिल्ली की उड़ान पूरी करने के बाद एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट की नई दिल्ली में हार्ट अटैक से मौत हो गई। पायलट की हाल ही में शादी हुई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना विमान के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के कुछ ही समय बाद हुई। एयरलाइन के मुताबिक दिल्ली में विमान के उतरने के बाद पायलट को अस्वस्थ महसूस हुआ और उसे पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब पायलट ने श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान का संचालन कर रहा था। एयरलाइन के सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में उतरने के बाद कैप्टन अरमान ने विमान के अंदर उल्टी की, डिस्पैच ऑफिस जाने से पहले उनमें परेशानी के शुरुआती लक्षण दिखे, जहां बाद में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। आईजीआई हवाई अड्डे के एयर इंडिया एक्सप्रेस सुविधाओं में चिकित्सा कर्मियों को तुरंत घटनास्थल पर बुलाया गया, लेकिन उनकी त्वरित प्रतिक्रिया और अस्पताल ले जाने के बावजूद, पायलट अरमान को बचाया नहीं जा सका। सहकर्मियों और एयरलाइन कर्मचारियों ने बताया कि पायलट अरमान ने लैंडिंग के बाद कॉकपिट के अंदर ही उल्टी की थी। बाद में उसे हवाई अड्डे पर एयरलाइन के डिस्पैच कार्यालय में अटैक आया।

शिवराज सिंह चौहान ने सपरिवार पशुपति नाथ मंदिर में माथा टेका, रुद्राक्ष और हरसिंगार के पौधे रोपे

काठमांडू/नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान बिम्स्टेक देशों के कृषि मंत्रियों की बैठक के लिए काठमांडू (नेपाल) में हैं। उन्होंने वहां बैठक के बाद गुरुवार को परिवार के साथ पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन किये और मंदिर प्रांगण में रुद्राक्ष और हरसिंगार के पौधे रोपे। शिवराज सिंह ने इस बारे में सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि बिम्स्टेक देशों के कृषि मंत्रियों की बैठक के लिए काठमांडू में हूं। बैठक के बाद आज परिवार के साथ पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन किये। यहां मंदिर में श्रद्धालुओं के साथ आत्मीय भेंट हुई। भगवान पशुपतिनाथ के पावन प्रांगण में रुद्राक्ष और हरसिंगार के पौधे रोपने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा, चार वर्ष पूर्व नर्मदा मैया की गोद में रोपे संकल्प का बीज पशुपति महादेव के आंगन तक पहुंच गया है। मैं तो बस एक निमित्त हूं, कर्म का यह मार्ग, शिव की प्रेरणा है। महादेव की कृपा बनी रहे और प्रकृति की सेवा का यह संकल्प इसी प्रकार पल्लवित, पुष्पित होता रहे, पशुपतिनाथ के चरणों में यही प्रार्थना है। हर हर महादेव।

महावीर जयंती की पूरे देश में धूम, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर की 2623वीं जयंती मनाई जा रही है। जगह जगह धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। इस पावन पर्व पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं।

बता दें कि जैन धर्म में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक त्योहारों में से एक महावीर जयंती जैन कैलेंडर के अनुसार चैत्र महीने में शुक्ल पक्ष की 13वीं तिथि को मनाई जाती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व में कुंडलग्राम में हुआ था, जो वर्तमान में बिहार के पटना के पास है। उन्होंने अपना जीवन आध्यात्मिक जागृति, आत्म-अनुशासन और मुख्य जैन सिद्धांतों- अहिंसा (अहिंसा), सत्य (सत्य), और अपरिग्रह (अपरिग्रह) के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित किया। उन्होंने 527 ईसा पूर्व में 72 वर्ष की आयु में मोक्ष (मुक्ति) प्राप्त की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर लिखा, महावीर जयंती के अवसर पर सभी देशवासियों, विशेषकर जैन समुदाय के सभी लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। अहिंसा और शांति के साक्षात स्वरूप, भगवान महावीर ने मानवता को त्याग, सत्य और अपरिग्रह की राह दिखाई। आइए, हम सब उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए, समस्त विश्व के कल्याण के लिए कार्य करने का संकल्प लें।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक्स पर लिखा, महावीर जयंती के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई। भगवान महावीर की शाश्वत शिक्षाएं- अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह- एक अधिक दयालु और सामंजस्यपूर्ण दुनिया की ओर हमारा मार्ग रोशन करती रहती हैं। इस महावीर जयंती पर आइए हम आध्यात्मिक अनुशासन, आत्म-संयम और सार्वभौमिक करुणा को अपनाते हुए उनके जीवन और आदर्शों से शक्ति प्राप्त करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को महावीर जयंती की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, हम सभी भगवान महावीर को नमन करते हैं, जिन्होंने हमेशा अहिंसा, सत्य और करुणा पर जोर दिया। उनके आदर्श दुनिया भर के अनगिनत लोगों को ताकत देते हैं। उनकी शिक्षाओं को जैन समुदाय ने खूबसूरती से संरक्षित और प्रचारित किया है। भगवान महावीर से प्रेरित होकर, उन्होंने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल की और समाज के कल्याण में योगदान दिया। हमारी सरकार हमेशा भगवान महावीर के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए काम करेगी। पिछले साल, हमने प्राकृत को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया, जिसकी बहुत सराहना हुई।

आखिर कर भारत के शिकंजे में आया आंतकी तहव्वुर राणा,

देशवासियों का लंबा इंतजार खत्म

राणा को भारत प्रत्यर्पित करवाना मोदी सरकार की कूटनीतिक जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई अटैक का मास्टरमाइंड आंतकी तहव्वुर राणा भारत आ गया है। बहुत मेहनत और कूटनीतिक प्रयासों के बाद आखिरकार अमेरिका से घसीटकर राणा को भारत लाया गया है। अमेरिका से आंतकी को स्पेशल विमान में लाया गया है। राणा का विमान दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरा। उसके साथ भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की एक टीम थी। इस तरह देशवासियों का लंबा इंतजार खत्म हुआ। अब आंतकी राणा से गुनाहों का हिसाब होगा।

26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी आंतकी राणा को तिहाड़ जेल में रखा जा सकता है। तहव्वुर राणा की 64 साल है। तहव्वुर राणा तिहाड़ जेल में एक हाई सुरक्षा वार्ड में रखा जाएगा। आतंकवादी को रखने के लिए जेल में सभी आवश्यक तैयारियां हो चुकी है। तहव्वुर राणा साल 2008 के मुंबई

हमलों का मास्टरमाइंड है। वह मुंबई अटैक के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक डेविड कोलमेन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी है। तहव्वुर राणा को लेकर एक विशेष चार्टर्ड विमान अमेरिका से भारत के लिए रवाना हुआ था। तहव्वुर को अमेरिका से भारत लाने में लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकर प्रत्यर्पित किया गया। सूत्रों ने बताया कि राणा को एनआईए यानी राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिरासत में लिया जाएगा।

तहव्वुर राणा पर कई धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। इसमें आपराधिक साजिश, भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना, हत्या, जालसाजी और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम शामिल हैं। हालांकि, मुंबई पुलिस को अभी तक उसके शहर में स्थानांतरण के बारे में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। डेविड कोलमेन हेडली का सहयोगी होने के अलावा, ऐसा माना जाता है कि राणा के पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के साथ करीबी संबंध थे। राजनैतिक तौर पर आंतकी राणा का भारत पहुंचना मोदी सरकार की कूटनीतिक जीत है। पीएम मोदी और केंद्र सरकार हमेशा से ही आंतक और आंतकवादियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की बात कह रही है।

भारत-स्लोवाकिया के पास मनोरंजन उद्योग में सहयोग करने के मजबूत अवसर

-राष्ट्रपति मुर्मू ने 'वेव' शिखर सम्मेलन के लिए पीटर पेलेग्रिनी को किया आमंत्रित

ब्रातिस्लावा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में कहा कि भारत और स्लोवाकिया के पास फिल्म निर्माण और बढ़ते मीडिया और मनोरंजन उद्योग में सहयोग के मजबूत अवसर हैं। दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आईं मुर्मू ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी को 1 से 4 मई तक मुंबई में आयोजित होने वाले 'वेव' शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट' (वेव्स) भारतीय कलाकारों को सामग्री तैयार करने और उसे वैश्विक बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। राष्ट्रपति भवन ने जारी बयान में कहा है कि राष्ट्रपति मुर्मू ने स्लोवाकिया को फिल्मांकन गंतव्य और संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदार के रूप में बढ़ावा देने की जरुरत पर बल दिया। स्लोवाकिया हॉलीवुड निर्माताओं का पसंदीदा स्थान रहा है, लेकिन भारतीय फिल्म उद्योग ने 2019 में 'हाई टाट्रा पर्वतीय क्षेत्र' की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है, जब अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म 'चेहरे' की शूटिंग यहां हुई। राष्ट्रपति भवन ने अधिकारिक एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने भारत के तेजी से बढ़ते मीडिया, मनोरंजन और रचनात्मक अर्थव्यवस्था क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक निकटता से सहयोग करने की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें स्लोवाकिया को फिल्म शूटिंग का गंतव्य और संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदार के रूप में बढ़ावा देना शामिल है।

'अब सिर्फ पश्चिम बंगाल बचा है, वहां भी कमल खिलेगा',

जेपी नड्डा ने सीधे ममता बनर्जी को दे दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली में लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि दिल्ली सात साल तक एक काले अध्याय से गुजर रही थी, जब 30 लाख परिवार और 6 लाख लोग सात साल तक आयुष्मान के अधिकार से वंचित थे। आपको ये सोचने पर मजबूर होना चाहिए कि जब खराब सरकार आती है तो किस तरह आपके अधिकारों का हनन होता है और जब अच्छी सरकार आती है तो 50 दिन के भीतर-भीतर आपको आपके अधिकार मिल जाते हैं।

नड्डा ने आगे कहा कि तीन राज्यों ने आयुष्मान लागू करने से मना कर दिया था। पहला ओडिशा, जहां पिछली सरकार चली गई और फिर कमल खिल गया। दिल्ली में भी यही हुआ। अब सिर्फ पश्चिम बंगाल बचा है, वहां भी कमल खिलेगा और मौजूदा सरकार चली जाएगी। अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आप कहते थे कि (दिल्ली में सरकार बनाने के लिए) (बीजेपी को) दोबारा जन्म लेना पड़ेगा। लेकिन हमने इसी जन्म में कर दिखाया... फिर स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज सुप्रीम कोर्ट गए और कहा कि हम दिल्ली में आयुष्मान लागू नहीं होने देंगे। आप सभी को प्रण लेना चाहिए कि दिल्ली में ऐसी सरकार कभी नहीं बनने देंगे।

आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान योजना) को लागू करने के लिए शनिवार को केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही, दिल्ली इस स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू करने वाला 35वां राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बन गया। पश्चिम बंगाल अब एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने इस योजना को लागू नहीं किया है। आयुष्मान भारत योजना 27 विशेषज्ञताओं में 1,961 चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए मुफ्त और 'कैशलेस' उपचार प्रदान करती है, जिसमें दवाओं, नैदानिक सेवाओं, अस्पताल में भर्ती होने, आईसीयू देखभाल, सर्जरी और अन्य लागत शामिल हैं।

ट्रंप बैकफुट पर आए, टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोका, चीन को नहीं दी राहत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 75 से ज्यादा देशों पर लगाए रेसिप्रोकल टैरिफ 90 दिनों के लिए रोक दिया है। यह फैसला लागू भी हो गया है। ट्रंप ने चीन को इस छूट में शामिल नहीं किया है, बल्कि उस पर लगे टैरिफ को 104 फीसदी से बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया है। ट्रम्प ने यह कार्रवाई चीन की तरफ से लगाए गए जवाबी 84 फीसदी टैरिफ के बाद की है। चीन पर 125 फीसदी टैरिफ लगाने का मतलब है कि चीन में बना 100 डॉलर का सामान अब अमेरिका में जाकर 225 डॉलर का हो जाएगा। अमेरिका में चीनी सामानों के मंहगे होने से उसकी बिक्री नहीं होगी या कम हो जाएगी।

ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि चीन ने ग्लोबल मार्केट के लिए सम्मान नहीं दिखाया है। इसी वजह से मैं

उस पर टैरिफ बढ़ाकर 125फीसदी कर रहा हूं। उम्मीद है कि चीन को जल्द समझ आ जाएगा कि अमेरिका और दूसरे देशों को लूटने के दिन गए। जो देश डील करेंगे, उनके लिए टैरिफ 10 फीसदी रहेगा। ट्रम्प ने कहा कि 75 से ज्यादा देशों ने अमेरिका के प्रतिनिधियों को बुलाया है और इन देशों ने मेरे मजबूत सुझाव पर अमेरिका के खिलाफ किसी भी तरह से जवाबी कार्रवाई नहीं की है। इसलिए मैंने 90 दिन के विराम को स्वीकार किया है। टैरिफ पर इस रोक से नए व्यापार समझौतों पर बातचीत करने का समय मिलेगा।

वहीं, वित्त मंत्री ने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत करने के इच्छुक देशों के लिए यह दर घटकर 10 फीसदी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कनाडा और मेक्सिको के कुछ सामानों पर 25 फीसदी टैरिफ लगता था। अब उन्हें भी बेसलाइन टैरिफ में शामिल कर लिया गया है। हालांकि उन्होंने यह साफ नहीं किया कि यूरोपीय यूनियन इस बेसलाइन टैरिफ में शामिल है या नहीं।

बीजेपी को सताने लगा डर, वक्फ कानून कहीं बिहार चुनाव में डूबा ना दे!

-आलोचना और सहयोगियों के दबाव को कम करने चलाएगी जनसंपर्क अभियान

श्रीनगर (एजेंसी)। पटना,(ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने वक्फ संशोधन बिल को लेकर विपक्ष की आलोचना और एनडीए सहयोगियों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू करने की योजना बनाई है। इस अभियान के जरिए बीजेपी विपक्ष के इस दावे का खंडन करेगी जिसमें वक्फ कानून को अल्पसंख्यक विरोधी बताया जा रहा है। खासतौर पर बिहार में बीजेपी की यह रणनीति ज्यादा अहम मानी जा रही है क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं और बीजेपी का गठबंधन जनता दल (यूनाइटेड) से है, जो मुस्लिम वोट बैंक पर काफी हद तक निर्भर है। बीजेपी अब मुस्लिम समुदाय के बीच जाकर यह संदेश देना चाहते हैं कि वक्फ कानून उनके हितों के खिलाफ नहीं है। पार्टी घर-घर जाकर कानून की खूबियों को समझाने का अभियान शुरू करेगी ताकि मुस्लिम समुदाय में फैली गलतफहमियों को दूर किया जा सके। इसके लिए बीजेपी ने एक टास्क फोर्स का गठन किया है, जिसमें पार्टी महासचिव दुष्यंत गौतम, राधा मोहन दास अग्रवाल, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रमुख जम्माल सिद्दीकी और बीजेपी नेता अनिल एंटनी को शामिल किया है। ये नेता कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करेंगे कि वे किस तरह से समुदाय के सामने अपनी बात रखें। बीजेपी जल्द ही एक विशेष ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन करेगी, जिसमें केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इन कार्यशालाओं में बीजेपी नेताओं को वक्फ कानून की बारीकियां बताई जाएंगी ताकि वे जनता के सवालों का सटीक उत्तर दे सकें। बिहार में विशेष तौर पर इस विषय पर कई स्थानीय स्तर की कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी। विपक्षी दलों खासतौर पर राष्ट्रीय जनता दल ने इस मुद्दे को लेकर एनडीए सहयोगी दलों पर हमला तेज कर दिया है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने वक्फ कानून को अल्पसंख्यक विरोधी बताते हुए सत्ता में आने पर इसे रद्द करने की बात कही है। इससे जेडीयू और लोजपा जैसी पार्टियों पर मुस्लिम नेताओं के असंतोष का असर भी दिखने लगा है। बीजेपी अब इस कानून को लेकर मुस्लिम समुदाय का भरोसा हासिल करने और सहयोगियों की मुश्किलें कम करने का काम कर रही है।

रक्षा मंत्री ने बहु-क्षेत्रीय वातावरण में सशस्त्र बलों को भविष्य के लिए तैयार रहने की सलाह दी

-रणनीतिक-सैन्य परिवर्तन के लिए बारीकियों का गहराई से अध्ययन करें अधिकारी

वेलिंगटन/नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों को सलाह दी है कि आज के लगातार विकसित हो रहे बहु-क्षेत्रीय वातावरण में संयुक्त रूप से काम करके भविष्य के लिए तैयार रहना चाहिए, जहां साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध आदि पारंपरिक अभियानों की तरह ही शक्तिशाली हैं। उन्होंने अधिकारियों से रणनीतिक-सैन्य परिवर्तन के लिए बारीकियों का गहराई से अध्ययन करने का आग्रह किया।

रक्षा मंत्री गुरुवार को तमिलनाडु के वेलिंगटन में रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) के 80वें स्टाफ कोर्स के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत और मित्र देशों के सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की वैश्विक भू-राजनीति को तीन प्रमुख मापदंडों से पुनर्परिभाषित किया जा रहा है। सरकार सशस्त्र बलों को बहु-क्षेत्रीय एकीकृत संचालन में सक्षम तकनीकी रूप से उन्नत युद्ध के लिए तैयार बल में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। भारत को अपनी सीमाओं पर लगातार खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जो उसके पड़ोस से उत्पन्न होने वाले छद्म युद्ध और आतंकवाद की चुनौती से और भी जटिल हो गए हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती हुई प्रौद्योगिकियां युद्ध में क्रांति ला रही हैं। यूक्रेन-रूस संघर्ष में ड्रोन एक नए हथियार के रूप में उभरे हैं। सैनिकों और उपकरणों के अधिकांश नुकसान के लिए पारंपरिक तोपखाने के बजाय ड्रोन को जिम्मेदार ठहराया गया है। इसी तरह पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष क्षमताएं, सैन्य खुफिया, निरंतर निगरानी और संचार को बदल रही हैं, जिससे युद्ध एक नए स्तर पर पहुंच रहा है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि दुनिया ग्रे जोन और हाइब्रिड युद्ध के युग में है, जहां साइबर हमले, दुष्प्रचार अभियान और आर्थिक युद्ध ऐसे उपकरण बन गए हैं, जिनसे एक भी गोली चलाए बिना राजनीतिक-सैन्य लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

राजनाथ सिंह ने प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन जैसे गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों के अलावा पश्चिम एशिया में संघर्ष और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव के समग्र सुरक्षा गणित पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी बात की। उन्होंने भविष्य के युद्धों के लिए सक्षम और प्रासंगिक बने रहने के लिए सशस्त्र बलों के परिवर्तन को जोरदार तरीके से आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। रक्षा मंत्री ने आत्मनिर्भरता के माध्यम से सशस्त्र बलों के विकास और

आधुनिकीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कम लागत वाली उच्च तकनीक विकसित करने और सशस्त्र बलों की युद्ध क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। हमारे बलों को न केवल तकनीकी परिवर्तनों के साथ तालमेल रखना चाहिए, बल्कि इसका नेतृत्व भी करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तमिलनाडु में अगले चरण में भाषा विवाद

उमेश चतुर्वेदी

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से उठाए गए भाषा विवाद की गेंद को प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक समझदारी के साथ उनके ही पाले में डाल दी है। तमिलनाडु की हालिया यात्रा में उन्होंने कह दिया कि तमिल राजनेता अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी की बजाय तमिल में क्यों नहीं करते। लगे हाथों उन्होंने यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को मेडिकल की पढ़ाई तमिल में करानी चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विवाद शुरू से ही रहा है, हाल ही में स्टालिन सरकार ने अपना बजट पेश करते वक्त बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक का इस्तेमाल किया था। जिस पर हंगामा होना स्वाभाविक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में भाषा को लेकर नया बयान दे दिया है। हो सकता है कि तमिल राजनीति इसका फिर से आक्रामक जवाब दे, लेकिन प्रधानमंत्री के सवाल के बाद तमिल राजनीति के लिए जवाब देना मुश्किल होगा..क्योंकि तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति को स्थानीयता के ही मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है।

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करना भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के खाद का काम करते रहे हैं, इसलिए स्टालिन को एक बार फिर इसी पर भरोसा है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की

छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका को देखते हुए ही मजबूत केंद्र की अवधारणा को स्वीकार किया गया। इसके बावजूद यदा-कदा कई राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख अख्तियार करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में पश्चिम बंगाल भी जुड़ा, जहां से राष्ट्रवादी विचारधारा को बल मिला। अरसे से कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करते वक्त तमिल राजनीति भारतीयता के अभिन्न अंग तमिल की अवधारणा और संविधान की सोच को दरकिनार करती रही है।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत के बाद नया नैरेटिव गढ़ा गया था। जिसके मुताबिक, गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच गहरी विभाजन रेखा खींचने की कोशिश हुई। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में इसके विस्तार को देखा जा सकता है।

अपनी अलहदा सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार ने करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजहों से बर्खास्त किया था। डीएमके करीब दो दशक से कांग्रेस की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और राज्य बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदयार्राजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं।

अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में दशकभर बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। स्टालिन इसे ही बचाए रखने की जुगत में हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा रखकर स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु का आसान राजनीतिक फामूर्ला रहा है। त्रिभाषा फॉमूर्ले में हिंदी विरोध स्टालिन को सबसे आसान लगा और वे मैदान में कूद पड़े। जनसंख्या के लिहाज से लोकसभा सीटों का परिसीमन में कम होना और रूपए का प्रतीक बदलना इसी का विस्तार है।

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रूपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा लगता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जड़ें जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। यह भी वजह है कि स्टालिन ठेठ और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैंटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोच की इस जंग में फिलहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोच बननी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दंश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है।

संपादकीय

राज्यपाल पर लगाम

सर्वोच्च न्यायालयय ने तमिलनाडु.सरकार बनाम राज्यपाल के मामले में जो फैसला दिया है, वह कई अर्थों में एक निर्णायक फैसला है जिसने तमिलनाडु.के वर्तमान राज्यपाल आर. एन. रवि की भूमिका को न केवल कड़ी आलोचना के घेरे में खड़ा किया, बल्कि उसे सीमित भी कर दिया। इस फैसले ने राज्यपालों द्वारा विशेषकर उन राज्यों में जहां केंद्र सरकार के विरोधी दलों की सरकारें हैं, सरकारों पर मनमानी तरीके से अपने अधिकारों द्वारा अंकुश लगाने के प्रयासों को लगभग समाप्त कर दिया है। राज्यपाल की भूमिका को सीमित तो कर दिया है, साथ ही उसे नियमबद्ध भी कर दिया है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा है कि राज्यपाल संवैधानिक तरीके से जनता द्वारा चुनी गई सरकार के विधिवत पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के मामले में अनिश्चित अवधि तक लंबित नहीं रख सकते। अब आगे से कोई राज्यपाल किसी भी पारित विधेयक को एक महीने से अधिक अपने पास लंबित नहीं रख सकता। अगर यह विधेयक राज्यपाल के द्वारा वापस कर दिया जाता है, और पुर्नर्विचार के लिए पुनः उसके पास आता है तो वह उसे राष्ट्रपति को भी नहीं भेज सकते। राष्ट्रपति को वह पहली बार में ही भेज सकेंगे। अगर निश्चित अवधि के बाद भी कोई विधेयक लंबित रखा जाता है तो उसे स्वतः स्वीकृत मान लिया जाएगा। इस बिना पर अदालत ने तमिलनाडु.सरकार द्वारा पारित वे सभी विधेयक जिन्हें राज्यपाल ने अपने पास दबा रखा था, स्वीकृत मान लिए जाएंगे। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से यह तो तय है कि अब कोई भी विधेयक राज्यपाल की मनमर्ज़ी की जकड़बंदी की गिरफ्त में नहीं रहेगा। शीर्ष अदालत ने इस समुचित प्रक्रिया को समयबद्ध और सीमाबद्ध करके निश्चित तौर पर एक बड़ा काम किया है और इससे राज्यपाल तथा राज्य सरकारों के बीच उठने वाले विलंब संबंधी विवादों पर रोक लगेगी। लेकिन भविष्य में इस पर नजर रखनी होगी कि ऐसी सूरत में जब केंद्र में किसी और दल की सरकार हो और राज्य में किसी और दल की तो राज्य सरकारें अपने राजनीतिक मतभेदों के चलते इस नवनिर्धारित प्रक्रिया का दुरुपयोग न करें। केंद्र सरकार को भी यह ध्यान में रखना होगा कि राज्य पर नियंत्रण रखने के लिए राज्यपाल रूपी हथियार की मारक क्षमता बहुत सीमित कर दी गईहै। उसे भी राज्य के साथ अनावश्यक टकराव को टालना होगा अन्यथा सर्वोच्च न्यायालय का जो फैसला सराहनीय और स्वागतयोग्य लग रहा है, वह विपरीत परिणाम देने वाला सिद्ध न हो।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापी है आत्मा

केवल वह जो क्षणिक है, छोटा या नर है, उसे ही सुरक्षा की आवश्यकता है; जो स्थायी है, बड़ा या विशाल है, उसे सुरक्षा की जरूरत नहीं। सुरक्षा का अर्थ है समय विशेष को लंबा कर देना; इसीलिए सुरक्षा परिवर्तन में बाधक भी होती है। पूर्ण सुरक्षा की स्थिति में रूपांतरण नहीं हो सकता। सुरक्षा के बिना इच्छित रूपांतरण नहीं हो सकता। एक बीज को पौधे में परिवर्तित होने के लिए सुरक्षा चाहिए; एक पौधे के वृक्ष बनने के लिए सुरक्षा चाहिए। अत्यधिक सुरक्षा रूपांतरण में या तो सहायक हो सकती है या बाधक, इसीलिए रक्षक को यह समझ होनी चाहिए कि किस मात्रा तक उसे रक्षा करनी है।

सुरक्षा और रूपांतरण- दोनों काल और समय के अनुसार होते हैं और समय से परे होने के लिए इन नियमों का सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा एक विशेष समय और नर चीजों तक ही सीमित है। चिकित्सक कब तक किसी को स्वस्थ रख सकता है या बचा सकता है? सदा के लिए? नहीं। सत्य को किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं। शांति और खुशी को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे क्षणिक नहीं। तुम्हारे शरीर को सुरक्षा की आवश्यकता है, तुम्हारी आत्मा को नहीं; तुम्हारे मन को सुरक्षा की जरूरत है, स्वरूप को नहीं। आत्मा केवल मन और शरीर का समिश्रण नहीं है। आत्मा न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो; और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उन सभी को तुम अपने जीवन में ढालकर, अपने चारों ओर एक दिव्य-जगत की सृष्टि करो। जो योगासन तुम करते हो, वह शरीर के लिए और जो ध्यान करते हो, वह मन के लिए है। शांत हो या विचलित; मन, मन ही रहता है। रोगी हो या निरोगी; शरीर, शरीर ही रहता है। आत्मा सर्वव्यापी है। शरीर के किसी अंग को उत्तेजित करने से मजा आता है, सुख का आभास होता है।

क्या कांग्रेस अधिवेशन से निकल आया जीत का मंत्र?

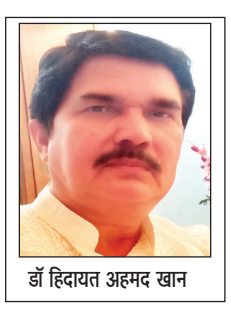

डॉ हिदायत अहमद खान

गुजरात के अहमदाबाद में संपन्न हुआ कांग्रेस का दो दिवसीय अधिवेशन महज एक औपचारिक सभा नहीं थी, बल्कि इसे एक सियासी पुनर्जागरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। दशकों से गुजरात की सत्ता से बाहर कांग्रेस ने यहां से एक नई रणनीति, नई चेतना और शायद एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की कोशिश की है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के बयानों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि पार्टी अब आक्रामक तेवरों के साथ मैदान में उतरने के मूड में है। दरअसल अधिवेशन की शुरूआत करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की पारदर्शिता पर सवाल उठाए और बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग भी रखी। खड़गे कहते हैं कि सरकार ने एक ऐसी तकनीक अपनाई हुई है जिससे विपक्ष को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि 150 सीटों में से 138 सीटों पर बीजेपी की जीत संदिग्ध है। खड़गे ने यह कहकर सरकार पर आरोप ही नहीं लगाए बल्कि उन्होंने पार्टी कार्यकताओं और देश के मतदाताओं में यह विश्वास पैदा करने की कोशिश की है, कि ईमानदार चुनावों के जरिए सत्ता परिवर्तन संभव है। वहीं राहुल गांधी ने अपने सशक्त भाषण से अधिवेशन में जहां जान फूंकने का काम किया वहीं पार्टी से जुड़े लोगों को एक पार्टी विचारधारा के तहत एकजुट होकर मैदान में आने का आव्हान भी किया है। उन्होंने यहां वक्फ संशोधन कानून पर बीजेपी पर सीधा हमला बोला और इसे ह्यफ्रीडम ऑफ रिलीजनह्न और संविधान पर हमला करार दिया है। साथ ही, उन्होंने गुजरात में कांग्रेस के भीतर व्याप्त गुटबाजी पर खुलकर बात की और यह स्वीकार किया कि पार्टी के कुछ नेता जनता से कटे हुए हैं या विरोधी दलों से मिले हुए हैं। पार्टी के शीर्ष नेताओं का यह आत्ममंथन इस बात की ओर इशारा करता है कि कांग्रेस अब संगठनात्मक शुद्धि की दिशा में भी कदम बढ़ा रही है। यह एक तरह से देर आयद दुरुस्त आयद को ही चरितार्थ करने जैसा है। इस पर दो दशक पहले ही विचार कर लिया जाना चाहिए था, तब शायद पार्टी को इतना ज्यादा नुक्सान भी नहीं हुआ होता। नेताओं की आपसी खींचतान और बेमानी रुतबे के कारण पार्टी रसातल पर पहुंच गई। पहले एक-एक कर कांग्रेस के गढ़ कहे जाने वाले राज्य हाथ से जाते गए और फिर केंद्र में भी पकड़ ढीली हो गई। नतीजा यह हुआ कि पार्टी के साथ नेताओं का भी बर्चस्व जाता रहा और स्थानीय स्तर पर भी कांग्रेस का वो कद नहीं रहा जो पहले कभी हुआ करता था। इस स्थिति से पार्टी को उबारने के लिए राहुल गांधी और उनकी सीमित टीम जी-जान से लगी रही। यहां कहना गलत न होगा कि राहुल की मेहनत पर पानी फेरने का काम विरोधी सियासी पार्टियों और उनके नेताओं ने उतना नहीं किया जितना कि खुद कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं ने किया। बात अगर गुजरात राज्य की ही कर लें तो यहां कांग्रेस पिछले तीन दशकों से सत्ता से बाहर है। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि गुजरात में युवाओं की एक ऐसी पौध तैयार हो चुकी है जिसे शायद यह भी न पता हो कि कांग्रेस की रीति-नीति और उसकी सरकार क्या और कैसे काम करती है। बहरहाल यह कहने की बात है, क्योंकि यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि गुजरात में कांग्रेस का लगभग 30 प्रतिशत वोट शेयर है, जो यह संकेत देता है कि पार्टी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। पार्टी की नीति और रीति के प्रति जनता में लोकप्रियता बरकरार है। बस चुनाव के दौरान चाहने वालों और प्रशसंकों को वोट में कनवर्ट करने का जादू और फामूर्ला पार्टी नेताओं ने भुला दिया है। यह कम बात नहीं है कि राहुल गांधी ने गुजरात में कांग्रेस की कमजोरी को स्वीकारा है और यह भी कहा है कि अगर संगठन में 30-40 लोगों को हटाना पड़े तो वो इसके लिए तैयार हैं। यह बयान न सिर्फ कांग्रेस की नीयत को दिखाता है, बल्कि एक नई शुरूआत की मंशा भी जाहिर करता है। पिछले 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने गुजरात में एक सीट जीती और करीब 31 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। यह नतीजा भले ही मामूली हो, लेकिन कांग्रेस के लिए यह मनोवैज्ञानिक जीत थी, खासकर पिछले चुनाव में मिली करारी हार के बाद यह ऑक्सीजन जैसी प्रतीत हुई है। अब जबकि विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस का गठबंधन टूट चुका है, कांग्रेस को अकेले ही गुजरात में अपनी जमीन फिर से तैयार करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। वैसे भी पार्टी अधिवेशन के जरिए कांग्रेस ने एक बार फिर यह जतला दिया है कि वह गुजरात को हल्के में नहीं ले रही है। संगठन निर्माण, जनसंपर्क और आक्रामक राजनीति के जरिए वह बीजेपी को टक्कर देने की तैयारी कर रही है। हालांकि अभी बीजेपी गुजरात में बेहद मजबूत है, लेकिन राजनीति संभावनाओं का खेल है। अगर कांग्रेस अपने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत कर पाती है, नए और प्रभावशाली नेताओं को उभारती है और जनता से सीधा संवाद कायम करती है, तो आने वाले वर्षों में वह फिर से राज्य की राजनीति में दमदार वापसी कर सकती है। अंततः इस अधिवेशन से कोई जादुई मंत्र तो निकलता हुआ नहीं दिखा, लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने अपने घर को सजाने-संवारने के साथ ही एक विचारधारा के सूत्र में पार्टी को पिरोने का जो काम शुरू किया है यही शायद जीत की पहली शर्त होती है।

मोदी का कथनः एक भारत के लिए सांस्कृतिक यात्राएं

प्रमोद भार्गव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामेश्वरम में उल्लेखनीय बात कही, 'भगवान श्री राम की अयोध्या से रामेश्वरम तक उत्तर से दक्षिण की यात्रा ने भारत को सांस्कृतिक रूप से एक पहचान देते हुए देश को जोड़ने का काम किया।' वास्तव में राम, लक्ष्मण, सीता के वनगमन ने देश को न केवल सांस्कृतिक रूप से जोड़ने का काम किया, बल्कि जो वनवासी थे, उन्हें भी एक सनातन समुदाय और एक संस्कृति से जोड़ने का अद्वितीय कार्य किया था। यही कार्य सतयुग में परशुराम ने उत्तर से पूर्वोत्तर और पूर्वोत्तर से दक्षिणी समुद्री तट केरल तक की यात्रा करके किया था। तत्पश्चात द्वापर युग में कृष्ण ने पांडवों के वनवास को सार्थकता देने के लिए देश को सांस्कृतिक एकरूपता में ढालने के लिए पूर्वोत्तर तक यात्रा कराई थी।

इस नाते कहा जा सकता है कि भारत की यही वे सांस्कृतिक यात्राएं थीं, जिनके चलते भारत आज भी सांस्कृतिक एकरूपता में ढला हुआ है। प्राचीन भारतीय संस्कृत ग्रंथों में 'रामायण' जनमानस में सबसे ज्यादा लोकप्रिय ग्रंथ है। भारत के सामंत और वर्तमान संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र में राम के आदर्श मूल्य और रामराज्य की परिकल्पना प्रकट अथवा अप्रकट रूप में हमेशा मौजूद रही है। अतएव रामायणकालीन मुल्यों ने भारतीय जन-मानस को सबसे ज्यादा उद्वेलित किया है। इस जन-समुदाय में रामकथाओं में उल्लेखित वनवासी जातियां भी शामिल हैं, जिन्हें वानर, भालू, गिद्ध, गरुड़ भील, कोल, नाग इत्यादि कहा गया है। यह सौ प्रतिशत सच्चाई है कि ये लोग वन-पशु नहीं थे। इसके उलट वन-प्रांतों में रहने वाले ऐसे विलक्षण समुदाय थे, जिनकी निर्भरता प्रकृति पर अवलंबित थी। उस कालखंड में इनमें से अधिकांश समूह वृक्षों की शाखाओं, पर्वतों की गुफाओं या फिर पर्वत शिखरों की कंदराओं में रहते थे। ये अर्धनग्न अवस्था में रहते थे और रक्षा के लिए पत्थर और लकड़ियों का प्रयोग करते थे। इसलिए इन्हें जंगली प्राणी का संबोधन कथित सभ्य समाज करने लगा।

अलबत्ता, सच्चाई यह है कि राम को मिले चौदह वर्षीय वनवास के कठिन समय में जंगली मान लिए गए ये वनवासी समूह राम की वनवास यात्रा में सहयोगी नहीं बने होते तो आर्य राम का अनार्य रावण पर विजय पाना असंभव था। राम को वनगमन के बाद पहला साथ निषादराज गुह का मिलता है। इलाहाबाद के पास निषाद राज्य की सीमा शुरू होती है। निषाद को जब राम के आगमन की खबर मिलती है तो वे स्वयं राम की अगवानी के लिए पहुंचते हैं। हालांकि निषाद वनवासी नहीं हैं, लेकिन शूद्र माने जाने वाली जातियों के समूह में हैं, जिन्हें ढीमर, ढीबर, मछुआरा और बाथम कहा गया है। निषाद लोग शिल्पकार थे। उत्कृष्ट नावें और जहाजों के निर्माण में निपुण थे। निषाद के पास पांच सौ नौकाओं का बेड़ा उपलब्ध होने के साथ यथेष्ट सैन्य-शक्ति भी मौजूद थी। अतएव निषाद राज गुह ऐसे पहले व्यक्ति थे, जो राम को कौशल राज्य की सीमाओं के बाहर सुरक्षा का भरोसा देते हैं। हालांकि राम के आगे बढ़ते जाने के साथ उनसे अत्रि, वाल्मीकि, भारद्वाज, अगस्त्य, शरभंग, सुतीक्ष्ण, मांडकणि और मतंग ऋषि मिले। वनवासियों के बीच वन-खंडों में रहने वाले इन ऋषियों ने ही राम का मार्ग प्रशस्त किया। ऋषियों की वेधशालाएं, अग्निशालाएं और आश्रम थे, उन पर राक्षस तो आक्रमण करते हैं, लेकिन वनवासियों ने किसी ऋषि को कष्ट पहुंचाया हो ऐसा वाल्मीकि रामायण या अन्य रामायणों में उल्लेख नहीं मिलता।

पूर्वोत्तर के वर्तमान सातों राज्य पश्चिम बंगाल और असम के विभाजन के फलस्वरूप स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में आए हैं। प्रागैतिहासिक काल के पन्नों को खंगालें तो पता चलता है कि भगवान परशुराम और कार्तवीर्य अर्जुन के बीच जो भीषण युद्ध हुआ था, उसके अंतिम आततायी को परशुराम ने अरु णाचल में जाकर मारा था। अंत में यहीं के 'लोहित क्षेत्र' में पहुंच कर ब्रह्मपुत्र नदी में अपना रक्त-रंजित फरसा धोया था। किंवदंती है कि लोहित कुंड़ में फरसा धोने के बाद से ही यहां का पानी आज भी लाल है। यहां कालांतर में स्मृति स्वरूप पांच कुंड बनाए गए, जिन्हें समंतपंचक रुधिर-कुंड कहा जाता है। ये कुंड आज भी अस्तित्व में हैं। इस क्षेत्र में यह दंतकथा भी प्रचलित है कि इन्हीं कुंडों में भृगुकुल भूषण परशुराम

ने युद्ध में मारे गए योद्धाओं का तर्पण किया था। परशुराम यही नहीं रु के, उन्होंने शूद्र और इस क्षेत्र की जो आदिम जनजातियां थीं, उनका यज्ञोपवीत संस्कार करके उन्हें ब्राह्मण बनाया और सामूहिक विवाह कराए। तत्पश्चात परशुराम केरल पहुंचे और वहां के कोंकण क्षेत्र में वनवासियों की मदद से समुद्र से धरती को बाहर निकाल कर खेती की शुरू आत कराई और जो अविवाहित युवा वनवासी थे, उनका यज्ञोपवीत संस्कार करके युद्ध में मारे गए योद्धाओं की विधवाओं से पाणिग्रहण कराया। पांडवों ने उत्तर से पूर्वोत्तर की यात्रा करके छोटी जातियों की स्त्रियों से अर्जुन और भीम ने अनेक विवाह किए और सनातन संस्कृति स्थापित की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किआ मोटर्स के पेनकोंडा प्लांट में 900 इंजनों की चोरी का खुलासा

मुंबई। किआ मोटर्स इंडिया के पेनकोंडा स्थित प्लांट से हाल ही में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। बीते पांच वर्षों में लगभग 900 कार इंजन चोरी हो गए हैं जिसका खुलासा कंपनी के ऑडिट में हुआ। पुलिस ने मामले में तुरंत जांच शुरू की है और शक्तिशाली दोषियों की तलाश में है। किआ मोटर्स ने किसी भी दोषी कर्मचारी और अंदरूनी संगठन को बचाने के लिए पुलिस से सहायता मांगी है। इस मामले में प्रमुख संदेह है कि इंजनों की चोरी किसी भी अन्य संगठन से नहीं हुई है, बल्कि कंपनी के अंदरी कर्मचारियों के साथ साझेदारी में किया गया है। इस बीच किआ मोटर्स ने इस मामले में सार्वजनिक रूप से कोई बयान देने से इनकार किया है, हालांकि कंपनी ने यह जरूर स्पष्ट किया कि चोरी की इस घटना से उनके उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ा है। किआ मोटर्स हर साल तीन से चार लाख कारों का निर्माण करती है, इसलिए 900 इंजन की चोरी से उनके प्रोडक्शन में कोई रुकावट नहीं आई। फिर भी यह घटना कंपनी की आंतरिक सुरक्षा और निगरानी पर सवाल खड़े करती है। पुलिस की जांच फिलहाल जारी है।

इरविन आनंद निंबसपोस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बने

मुंबई। लॉजिस्टिक प्रौद्योगिकी मंच और एक्सप्रेसबीज की अनुषंगी कंपनी निंबसपोस्ट ने इरविन आनंद को मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की है। आनंद, जिन्हें वैश्विक शिक्षण मंच उडेमी में भारत एवं एशिया-प्रशांत के प्रबंध निदेशक के रूप में देखा गया था, ने इस नये भूमिका में उत्पाद व नवाचार में तेजी लाने, विक्रेता की सफलता को बढ़ाने, परिचालन उत्कृष्ट को बढ़ावा देने और नए व मौजूदा बाजारों में निंबसपोस्ट के रणनीति विस्तार पर ध्यान देने की प्रतिबद्ध हैं। एक्सप्रेसबीस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने उन्हें एक अनुभवी और विचारशील संगठन के नेतृत्व के लिए बधाई दी है। उन्होंने उनके योगदान की सराहना की और उनकी प्रतिबद्धता के साथ कंपनी के भविष्य को उज्जवल बनाने में उनकी मदद करने का आग्रह किया। निंबसपोस्ट का नया नेतृत्व एक नयी ऊर्जा का स्रोत है और कंपनी की त्वरित उत्थान में मददगार साबित हो सकता है।

लेक्सस इंडिया की खुदरा बिक्री 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी लेक्सस इंडिया की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़ गई। कंपनी बयान के अनुसार जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी खुदरा बिक्री पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि की तुलना में 17 प्रतिशत बढ़ी है। हालांकि, कंपनी ने बिक्री के सटीक आंकड़े साझा नहीं किए।इस बीच, लग्जरी कार विनिर्माता ऑडी इंडिया ने गुरुवार को कहा कि उसने देश भर में 6,500 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए हैं। चार्ज माई ऑडी पहल के दूसरे चरण तहत ये चार्जर स्थापित किए गए।

वित्त वर्ष 2024-25 में जेएलआर इंडिया ने सबसे अ धिक खुदरा बिक्री दर्ज की

थोक बिक्री भी सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़कर 6,266 इकाई हुई

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में जगुआर लैंड रोवर इंडिया कीखुदरा बिक्री वार्षिक आधार पर 40 प्रतिशत बढ़कर सर्वाधिक 6,183 वाहन रही। कंपनी की इस दौरान थोक बिक्री भी सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़कर 6,266 इकाई हो गई। जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) इंडिया ने कहा कि चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में खुदरा वार्षिक आधार पर 110 प्रतिशत बढ़कर 1,793 इकाई और थोक बिक्री 118 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,710 इकाई रही। वाहन विनिर्माता कंपनी के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में डिफेंडर कंपनी का सबसे अधिक बिकने वाला मॉडल रहा जिसकी बिक्री में 90 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद स्थानीय स्तर पर निर्मित रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट क्रमशः 72 और 42 प्रतिशत की वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

भारत-अमेरिका के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा में नई चुनौतियां

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कई चुनौतियां भी उत्पन्न हो सकती हैं

नई दिल्ली।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा में नई चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं, जैसा कि आर्थिक शोध संस्थान ने जारी की चेतावनी में कहा है। इस समझौते के तहत अमेरिका के मांगों का संशोधित खाद्य आयात, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन माध्यमों कम करना और दवाओं पर एकाधिकार को बढ़ाने से बहुलक चिंताओं के संदेश हैं।

इसमें कहा गया है कि ये जोखिम खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय और छोटे विक्रेताओं के लिए बड़े परिणाम ला सकते हैं। आर्थिक शोध संस्थान के अनुसार इस समझौते से भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कई चुनौतियां भी उत्पन्न हो सकती हैं। वहां उदाहरण के तौर पर कृषि उत्पादों पर लगाए जा रहे शुल्क का कम होना और कारों पर शुल्क को घटाने का प्रस्ताव देने से उद्योगों, किसानों और विनिर्माण क्षेत्र को नुकसान हो सकता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) के एक प्रमुख अधिकारी ने इस समझौते के बारे में चिंताओं को जताते हुए कहा कि भारत को इसे पुनर्विचार करने और अमेरिका के साथ विस्तृत स्वतंत्र ट्रेड समझौते से बचने की जरुरत है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया के कार उद्योग का नुकसान इसी तरह की चर्चा का हुआ था जब 1990 के दशक में भारी शुल्क कटौती की गई थी। जीटीआरआई ने सुझाव दिया है कि भारत को यह समझौता शून्य-से-शून्य शुल्क से सीमित रखने का सुझाव देने की दिशा में कदम उठाना चाहिए। इसके अलावा, वह चीन जैसे देशों के साथ उत्पाद मूल्य श्रृंखला तैयार करने की भी सलाह देते हैं। उन्होंने सरकार से भी घरेलू सुधारों पर ध्यान देने की गुहार दी है जैसे कि शुल्क को सरल बनाना, गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों में सुधार करना और व्यापार प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना।

इन सुधारों को अमल में लाने से भारत वैश्विक बदलावों का अधिकतम लाभ उठा सकता है, हालांकि इसमें काफी मेहनत और सहयोग की जरुरत होगी। इस पुनर्विचार का मुद्दा बिगड़ता हुआ दिग्गज अर्थशास्त्री एवं व्यापारिक विश्लेषकों की तोहमतों के साथ जुड़ा है जो इसे देश की आर्थिक स्थिति तथा छोटे व बड़े उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा मानते हैं।

भारत-बांग्लादेश ट्रांसशिपमेंट सुविधा की वापसी से बढ़ेगा तनाव

दोनों देशों को मध्यस्थता और संवाद के माध्यम से बातचीत करने की जरूरत

नई दिल्ली। भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों में तनाव की चिंता बढ़ रही है जब भारत ने अपने बंदरगाहों और हवाई अड्डों के माध्यम से बांग्लादेश को पारगमन सुविधा वापस ले ली। इस पारगमन सुविधा का उपयोग करने के लिए बांग्लादेश को इसे और देशों को निर्यात के लिए उपयोग करने का अधिकार था। यह कदम बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के और भारत के बीच तनाव में और खिंचाव में आया है। भारत ने इस पारगमन सुविधा को नेपाल और भूटान को छोड़ दिया है, जिसे विश्व व्यापार संगठन की मान्यताओं के अनुसार पारित किया गया है। यह नया आंकड़ा भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक नया चुनौतीपूर्ण पहले है। इसे लेकर अनेक राजनैतिक और आर्थिक मसले हो सकते हैं जो इन दोनों देशों के बीच समझौते को प्रभावित कर सकते हैं। इस परिस्थिति में दोनों देशों को मध्यस्थता और संवाद के माध्यम से बातचीत करने की आवश्यकता है ताकि इस मुद्दे पर सभी की सुरक्षा और हित की गारंटी मिल सके।

अमेरिकी बॉन्ड बाजार में मची हलचल के बाद ट्रंप ने लिया यू टर्न

डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ का फैसला वापस न लेते तो और मच जाती तबाही

नई दिल्ली।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टैरिफ नीति पर बड़ा यू-टर्न लेते हुए बुधवार को 75 देशों के लिए रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिन तक रोक लगा दी है। बीते हफ्ते तक ट्रंप ने कहा था कि मेरी नीतियां कभी नहीं बदलेंगी, लेकिन केवल एक सप्ताह में ही राजनीतिक और आर्थिक दबाव के चलते उन्होंने इस योजना पर विराम लगाने का निर्णय लिया। अमेरिकी बॉन्ड बाजार में मची हलचल ने डोनाल्ड ट्रंप को टैरिफ पर अपने कदम पीछे खींचने पर मजबूर कर दिया। सूत्रों के अनुसार अमेरिकी ट्रेजरी विभाग में बॉन्ड बाजार की स्थिति को लेकर बढ़ती चिंता ट्रंप के फैसले की प्रमुख वजह बनी। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने हाल ही में ट्रंप से मुलाकात की और उन्हें बाजार की गिरावट और उसकी संभावित आर्थिक तबाही के बारे में जानकारी दी। ट्रंप ने भी मीडिया से बातचीत के दौरान कि बॉन्ड बाजार काफी पेचीदा है। एक हफ्ते पहले ग्लोबल ट्रेड सिस्टम को हिला देने वाली घोषणा करने के बाद अब ट्रंप ने कहा, आपको लचीला होना पड़ता है। वित्तीय बाजार तेजी से बदलते हैं। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट का कहना है कि यह रोक किसी तरह की हार नहीं बल्कि राष्ट्रपति की रणनीति का हिस्सा है। राष्ट्रपति जहां एक तरफ बाजार की गिरावट को संभालने की कोशिश कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर उन्होंने कहा कि यह शेयर बाजार के इतिहास की सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। अगर ऐसे ही चलता रहा तो हम चार हफ्ते पहले की स्थिति में लौट आएंगे।

आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद 2025 में भारत का निर्यात 820 बिलियन के पार

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजारों में आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का माल और सेवा निर्यात वित्त वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 820 बिलियन डॉलर को पार कर गया है, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 778 बिलियन डॉलर के इसी आंकड़े से करीब 6 फीसदी ज्यादा है।

उभरते व्यापार परिदृश्य पर चर्चा करने के लिए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने निर्यात संवर्धन परिषदों और उद्योग निकायों के साथ आयोजित बैठक में ये आंकड़े सामने आए हैं।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने लाल सागर संकट, खाड़ी क्षेत्र में इजराइल-हमास संघर्ष, रूस-यूक्रेन संघर्ष के लगातार बने रहने और कुछ विकसित अर्थव्यवस्थाओं में हल्की बढ़ोतरी समेत कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद निर्यात में सर्वकालिक उच्च उपलब्धि के लिए निर्यातकों की तारीफ की। उन्होंने निर्यातकों के प्रयासों की सराहना की। बैठक में सीआईएम पीयूष गोयल ने निर्यातकों को पारस्परिक रूप से लाभकारी बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ चल रही चर्चाओं के बारे में भी जानकारी दी।

बातचीत की शुरुआत पीएम मोदी ने की, जो फरवरी 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी बैठक में बीटीए पर सहमत होने वाले पहले वैश्विक नेताओं में से एक थे। गोयल ने निर्यातकों को आश्वासन दिया कि सरकार वैश्विक व्यापार वातावरण में हाल के बदलावों को सफलतापूर्वक नेविगेट करने में सक्षम बनाने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि देश सक्रिय तरीके से काम कर रहा है

और ऐसे समाधान तलाशे जा रहे हैं जो राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में हों। उन्होंने निर्यातकों से कहा कि वे घबराएं नहीं और वर्तमान परिदृश्य में सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान दें।

हालांकि, जहां तक भारत का सवाल है, विनिर्माण में वृद्धि और अतिरिक्त नौकरियों के सृजन की संभावना है, क्योंकि देश ग्लोबल सप्लाई चेन में बड़े प्लेयर्स को आकर्षित कर सकता है, क्योंकि भारत खुद को एक भरोसेमंद और विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करने में सक्षम है। कई क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली निर्यात संवर्धन परिषदों ने वैश्विक व्यापार में उभरती चुनौतियों के मद्देनजर अपने विचार और दृष्टिकोण पेश किए हैं।

बैठक में निर्यात संवर्धन परिषदों, उद्योग निकायों और वाणिज्य और संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों ने भाग लिया।

भारत-अमेरिका ट्रेड में लंबी अवधि का नजरिया रखें निर्यातक:पीयूषगोयल

नई दिल्ली।

नए व्यापार क्षेत्रों में उभरते हुए चुनौतियों के बीच केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने निर्यातकों को भारत-अमेरिका ट्रेड में नजरिया बनाए रखने का सुझाव दिया है। उन्होंने एक बैठक में एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और उद्योग बॉडीज के साथ चर्चा की जिसमें आधुनिक व्यापार परिदृश्य और विपरीत समय के अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। गोयल ने उद्यमिता और संभावित रूप से दूरदराज निर्यातकों को बताया कि सरकार उभरती व्यापार वातावरण में सकारात्मक योजनाओं का समर्थन करेगी। उन्होंने वित्त वर्ष 2024-25 में अधिकतम निर्यात का लक्ष्य विशेष ध्यान देने के साथ बताया और मान्यता दी कि यह उपलब्धि कई संदेश और संधियों के बावजूद संभव हो सकी है। बैठक के माध्यम से, निर्यातकों को व्यापारिक समझौतों के महत्व और भारत-अमेरिका के बीच चल रहे मुद्दों पर गहराई से चर्चा करने का भी मौका मिला। इस समय में व्यापारिक वातावरण में उभरती चुनौतियों का मुकाबला किया जाएगा, सरकार ने निर्यात उद्योग की समर्थन के प्रति अपनी पहल की पुष्टि की है। बैठक के दौरान गोयल ने निर्यातकों को पारस्परिक रूप से लाभकारी बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए अमेरिका के साथ चर्चा के बारे में भी जानकारी दी। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली अलग-अलग एक्सपोर्ट

प्रमोशन काउंसिल ने वैश्विक व्यापार में उभरती चुनौतियों के मद्देनजर अपने विचार और दृष्टिकोण प्रस्तुत किए और सरकार से इन चुनौतीपूर्ण समय में निर्यात उद्योग को समर्थन देने के लिए सक्रिय कदम उठाने का अनुरोध किया।

महिंद्रा ने 20 दिन में 3000 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी पूरी की

महिंद्रा ने नए ग्राहकों के लिए 'डिफ़ॉल्ट ड्राइव मोड' नामक एक विशेष मोड पेश किया

कोलकाता।

वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए अपनी नई ऑल-इलेक्ट्रिक ओरिजिन स्पोर्ट्स यूटिलिटीज व्हीकल (एसयूवी) एक्सईवी 9ई और बीई6 की 3000 से अधिक इकाई की डिलीवरी पूरी कर ली है। ग्राहकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते, दोनों मॉडलों की बुकिंग तेजी से बढ़ रही है। ग्राहकों की अधिकांश ने पैक थ्री वैरिएंट को चुना है। कंपनी के अनुसार, एक्सई9ई की कुल मांग का 59 प्रतिशत हिस्सा है जबकि बीई6 के लिए 41 प्रतिशत ग्राहक इच्छुक हैं। इन मॉडलों की प्रतीक्षा अवधि कई क्षेत्रों में छह महीने तक पहुंच गई है। इस बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, महिंद्रा देशभर में डिलीवरी बढ़ाने और ग्राहकों को सहज अनुभव देने के लिए अपने वितरण नेटवर्क को सशक्त बना रही है। महिंद्रा ने ईवी अपनाने वाले नए ग्राहकों के लिए 'डिफॉल्ट ड्राइव मोड' नामक एक विशेष मोड पेश किया है। साथ ही, हर डिलीवरी के साथ ग्राहकों को एक क्यूरेटेड वीडियो गाइड भी दिया जा रहा है, जिसमें ईवी चार्जिंग के स्मार्ट तरीके, ड्राइविंग तकनीकें और कनेक्टेड फीचर्स का विस्तृत वॉकथ्रू शामिल है।

महावीर जयंती पर 10 अप्रेल को बैंक बंद

इस महीने 10 दिन बैंकों में नहीं होगा कोई कारोबार, राज्यों के अनुसार रहेंगी छुट्टियां

मुंबई।

महावीर जयंती के चलते गुरुवार को शेयर बाजार बंद है। गुरुवार को कुछ राज्यों में बैंकों की भी छुट्टियां हैं, लेकिन देशभर में आज बैंक हॉलीडे नहीं है। महावीर जयंती पर गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्यों में सभी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इन राज्यों में महावीर जयंती को राजकीय अवकाश के रूप में मान्यता दी गई है। असम, नागालैंड, मिजोरम, मेघालय, कोहिमा, केरल, जम्मू और उत्तराखंड जैसे राज्यों में महावीर जयंती को सार्वजनिक अवकाश घोषित नहीं किया गया है। लिहाजा यहां आज बैंकों में सामान्य दिनों की तरह ही कामकाज हो रहा है।

महावरी जयंती, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। जैन समुदाय के लिए यह सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। इसी कारण कई राज्यों में आज सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है और स्कूल-कॉलेज और सरकारी कार्यालय बंद हैं। भारतीय रिजर्व बैंक हर साल राज्य-वार बैंक अवकाश कैलेंडर जारी करता है, जिसमें त्योहारों और स्थानीय पर्वों के अनुसार छुट्टियां तय की जाती हैं। आरबीआई की सूची में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों तरह की छुट्टियां शामिल होती हैं। राष्ट्रीय अवकाश के दिन पूरे देश में सभी बैंक बंद रहते हैं। क्षेत्रीय छुट्टियां किसी विशेष राज्य या क्षेत्र से संबंधित होती हैं। इन दिनों केवल संबंधित राज्य या क्षेत्र के बैंक ही बंद रहते हैं। एक राज्य में किसी दिन बैंक अवकाश होने का मतलब यह नहीं है कि दूसरे राज्य में भी छुट्टी होगी।

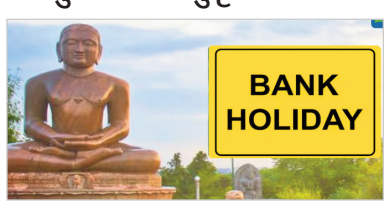

आरबीआई के मुताबिक अप्रैल 2025 बैंक हॉलीडे लिस्ट इस प्रकार है-

10 अप्रैल (गुरुवार) - महावीर जयंती- गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, राजस्थान, यूपी, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना में बैंक बंद।

14 अप्रैल (सोमवार) - अंबेडकर जयंती और नए साल के त्योहार (विशु, बिहू, तमिल न्यू ईयर)= मिजोरम, मध्य प्रदेश, चंडीगढ़, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, दिल्ली, छत्तीसगढ़, मेघालय, हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद।

रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती

होम, कार व कॉरपोरेट लोन की ईएमआई घटेगी

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो रेट कटौती का एलान कर दिया है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट में तत्काल प्रभाव से 0.25 फीसदी की कटौती का फैसला सर्वसम्मति से लिया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्यों ने नीतिगत रेपो दर को तत्काल प्रभाव से 25 आधार अंकों से घटाकर 6 प्रतिशत करने के लिए मतदान किया। इस दौरान गवर्नर ने वैश्विक विकास के लिए नई चुनौतियों की ओर इशारा भी किया। आरबीआई ने बुधवार को लगातार दूसरी बार प्रमुख ब्याज दर में 25 आधार अंकों की कटौती का एलान किया है। केंद्रीय बैंक के इस फैसले से अमेरिका की ओर से लगाए गए पारस्परिक शुल्कों से प्रभावित अर्थव्यवस्था को सहारा मिलने की उम्मीद बढ़ी है। ब्याज दरों में कटौती के बाद प्रमुख नीतिगत दर यानी रेपो रेट घटकर 6 प्रतिशत हो गई। इस कदम से आवास, ऑटो और कॉर्पोरेट ऋण लेने वालों को राहत मिली।

फरवरी महीने में भी की गई थी कटौती

फरवरी में अपनी पिछली नीति में आरबीआई ने रेपो दर को 25 आधार अंकों से घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया था। यह दर मई 2020 में पिछली दर में कटौती के बाद आई थी। दरों में आखिरी संशोधन फरवरी 2023 में हुआ था। जब नीति दर को 25 आधार अंकों से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था।

टैरिफ के झटके के बाद कटौती

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से नीतिगत दर को 25 आधार अंकों से घटाकर 6.25 प्रतिशत करने का फैसला किया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण आरबीआई ने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का अनुमान 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय आयातों पर 26 प्रतिशत का भारी-भरकम पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जो 9 अप्रैल से प्रभावी होगा। आरबीआई गवर्नर ने वित्तीय वर्ष 2026 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि नीतिगत और व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के कारण वृद्धि अनुमानों में 20 आधार अंकों की कमी की गई है।

टाटा मोटर्स ग्रुप की होलसेल बिक्री में 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज

नई दिल्ली।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में टाटा मोटर्स ग्रुप की वैश्विक स्तर पर होलसेल बिक्री में 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसमें लग्जरी वाहन इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) की बिक्री भी शामिल है।

टाटा मोटर्स की कुल होलसेल बिक्री क्यू4 एफवाय24 में जहां 3,77,000 यूनिट रही थी, वहीं क्यू4 एफवाय25 में यह घटकर 3,66,177 यूनिट पर आ गई। टाटा मोटर्स के कमर्शियल व्हीकल और टाटा देवू की बिक्री में भी 3प्रतिशत की कमी आई है, जो घटकर 1,07,765 यूनिट रह गई। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में भी गिरावट देखने को मिली, जहां बिक्री 6प्रतिशत घटकर 1,46,999 यूनिट रही। हालांकि, कंपनी की लग्जरी ब्रांड जेएलआर ने तिमाही में मामूली बढ़त दर्ज की है। क्यू4 एफवाय25 में जेएलआर की कुल बिक्री 1,11,413 यूनिट रही, जो पिछले साल की समान अवधि से 1प्रतिशत अधिक है। इसमें से जगुआर ब्रांड की 7,070 यूनिट्स और लैंड रोवर की 1,04,343 यूनिट्स शामिल रहीं। वहीं इलेक्ट्रिक सेगमेंट में टाटा मोटर्स ने अपना वर्चस्व बनाए रखा है। मार्च में कंपनी ने 4,710 यूनिट इलेक्ट्रिक वाहन बेचे, जो फरवरी की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। पंच ईवी और नेक्सन ईवी जैसे मॉडल इस ग्रोथ के मुख्य कारण रहे। भारत में मार्च 2025 की बिक्री में टाटा मोटर्स तीसरे स्थान पर रही। मारुति सुजुकी ने 1.5 लाख से अधिक यूनिट्स बेचकर पहला स्थान बनाए रखा, जबकि हुंडई 51,820 यूनिट्स के साथ दूसरे स्थान पर रही। टाटा मात्र 204 यूनिट्स के अंतर से तीसरे स्थान पर खिसक गई, जिसकी मार्च में कुल बिक्री 51,616 यूनिट रही।

एसयूवी क्रूव का सीएनजी वेरिएंट जल्द होगा पेश

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स जल्द ही एसयूवी क्रूव का सीएनजी वेरिएंट पेश करने वाली है। इस कार का डिजाइन काफी आकर्षक है और यह इस सेगमेंट की पहली एसूयवी होगी जो टर्बो पेट्रोल, डीजल, इलेक्ट्रिक और अब सीएनजी वर्जन में भी उपलब्ध होगी।

इसे हाल ही में पुणे की सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया। टाटा की यह बहुप्रतीक्षित एसूयवी पहले से ही बाजार और क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है, खासतौर पर टाटा आईपीएल के दौरान इसके प्रचार के कारण। फिलहाल कंपनी ने इसकी लॉन्चिंग को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन माना जा रहा है कि यह कार त्योहारों के सीजन में बाजार में दस्तक दे सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रूव सीएनजी को 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल 3-सिलेंडर इंजन से पावर मिलेगी, जो लगभग 99 बीएचपी की ताकत और 170 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। इसे 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ पेश किया जाएगा। उम्मीद है कि इसका पावर आउटपुट नेक्सॉन सीएनजी के बराबर ही रहेगा। खास बात यह है कि क्रूव सीएनजी में ट्विन-सिलेंडर सीएनजी टैंक का इस्तेमाल होगा, जो ज्यादा बूट स्पेस बनाए रखने में मदद करेगा। इस फीचर के चलते यह अपने क्लास में एक नई मिसाल कायम कर सकती है।

इन दोनों एसयूवीएस में 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल होता है जो 87 बीएचपी और 121.5 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। दोनों गाड़ियां 26.6 किमी/किग्रा का माइलेज देती हैं। ऐसे में टाटा क्रूव सीएनजी के आने से बाजार में प्रतियोगिता और ज्यादा दिलचस्प हो जाएगी। टाटा की यह नई एसयूवी सीधे तौर पर मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा और टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर जैसी गाड़ियों को टक्कर देगी, जो पहले से ही पेट्रोल, हाइब्रिड और सीएनजी ऑप्शन में बाजार में मौजूद हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज सीएसके और केकेआर में होगा मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में लगातार मिल रही हार से निराश चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अब शक्रवार को अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत हासिल करने के इरादे से उतरेगी। अब तक सीएसके लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे है। अनुभवी खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी भी लय में नहीं हैं। टीम को पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। सीएस की राह इस मैच में भी हालांकि आसान नहीं है। पिछली बार कि विजेता केकेआर भी ये मैच जीतकर अपना अभियन पटरी पर लाने चाहेगी। उसे भी इस सत्र में अधिकतर हार ही मिली है। इस सत्र सीएसके अपनी ही घरेलू मैदान पर पहले आरसीबी और फिर दिल्ली कैपिटल्स से हारी थी। इस सत्र में उसे भी तक पांच मैच में से चार में हार का सामना करना पड़ा है, इसलिए यह मैच उसके लिए बेहद अहम बन गया है। उसे अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स से करीबी मुकाबले में 18 रनों से हार सामना करना पड़ा था। इसी को देखते हुए सीएसके इस बार अपने अनुसार पिच तैयार करा रही है।

आरसीबी के खिलाफ बड़ी हार के बाद चेन्नई के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने पिच को लेकर शिकायत की थी। पहले सीएसके को पिच का लाभ मिलता था पर अब उसमें बदलाव से उसे नुकसान हुआ है। चेन्नई को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसके खिलाड़ियों को तेजी से हालातों के अनुरुप ढ़लना होगा। यही नहीं उसके स्पिन गेंदबाजों को सफलता हासिल करने का तरीका ढूंढना होगा.चेन्नई की टीम के लिए अच्छी बात यह है कि डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र और शिवम दुबे जैसे बल्लेबाजों ने लय हासिल करने के संकेत दिए हैं पर कप्तान रुतुराज गायकवाड़ अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं।

दूसरी ओर केकेआर की टीम भी टीम के लिए ये सत्र उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। उसे

अपने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में अगर उसे जीत दर्ज करनी है तो उसके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उसे गेंदबाज पिछले मैच में विफल रहे थे। उन्हें भी बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। बल्लेबाजी में टीम की कमान क्विंटन डी कॉक, सुनील नारायण, कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी, आद्रे रसेल और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों पर रहेगा वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती, एनरिक नॉर्टजे, वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा के पास रहेगी। ये मैच रोमांचक होने की संभावना है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

केकेआर: क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सुनील नारायण, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, आद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा, स्पेंसर जॉनसन, वरुण चक्रवर्ती, एनरिक नॉर्टजे, वैभव अरोड़ा

सीएसके: एमएस धोनी (कप्तान), रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रवींद्र, विजय शंकर,मुकेश चौधरी।

सुदर्शन ऑरेंज कैप की दौड़ में दूसरे नंबर पर पहुंचे

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की जीत में अहम भूमिका सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन एक बार फिर सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में आगे निकल आये हैं। सुदर्शन ने यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मैच में 53 गेंदों पर 8 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 82 रनों की आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस के साथ ही गुजरात ने लगातार चौथी जीत दर्ज कर अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। सुदर्शन के इस मैच को मिलाकर अब पांच मैच में 54.60 के औसत से 273 रन बनाये हैं। इससे वह ऑरेंज कैप की दौड़ में भी लंबी छलांग लगाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं लखनऊ सुपर जाएंट्स के निकोलस पूरन पहले नंबर पर हैं। पुरन ने अब तक 5 मैचों में 288 रन बनाये हैं। तीसरे नंबर पर कोलकाता नाइट राइडर्स के मिशेल मार्श हैं, मार्श ने पांच मैच में 265 रन बनाये हैं।

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में नूर अहमद पांच मैच में 11 विकेट लेकर पहले जबकि साई किशोर पांच मैचों में 10 विकेट लेकर दूसरे व मोहम्मद सिराज भी पांच मैचों में 10 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। वहीं इस मैच के बाद गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा के अब पांच मैचों 8 विकेट हो गये हैं और वह आठवें नंबर पर हैं।

ऋतुराज आईपीएल से बाहर हुए, धोनी बचे हुए सत्र में कप्तानी करेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ कोहनी में फ्रैक्चर होने के कारण आईपीएल के बचे हुए सत्र से बाहर हो गये है1 ऐसे में टीम की कप्तानी एक बार फिर महेन्द्र सिंह धोनी को दी गयी है। अब धोनी आईपीएल के शेष सत्र में

टीम की कप्तानी संभालेंगे। सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि हमारे पास टीम में कुछ विकल्प हैं पर हमने अभी तक किसी पर अंतिम निर्णय नहीं लिया है। वहीं धोनी कप्तानी संभालने के लिए तैयार थे। इसलिए हमने अनुभवी होने के कारण उन्हें ये जिम्मेदारी सौंपी है। धोनी की कप्तानी में ही टीम ने पांच बार खिताब जीता था।

फ्लेमिंग ने कहा कि ऋतुराज को गुवाहाटी में चोट लगी थी पर वह दर्द के साथ खेल रहे थे। हमने एक्स-रे करवाया, लेकिन उससे कुछ साफ नहीं हुआ फिर हमने एमआरआई करवाया, जिससे पता चला कि उनकी कोहनी में फ्रैक्चर है। इससे हमें निराशा हुई पर उनका फिट होना सबसे जरुरी है। इसलिए उन्हें उबरने के लिए पूरा समया दिया जाएगा। दुर्भाग्यवश, अब वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं पर हमारे पास एक धोनी हैं, जो आईपीएल के बाकी मैचों में कप्तानी करेंगे।

गायकवाड़ को 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में चोट लगी थी। तुषार देशपांडे की एक गेंद उनके दाएं हाथ पर लगी थी। उनका 5 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलने को संशय बना हुआ था पर फिर भी उन्होंने खेला। उन्होंने मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ भी मैच खेला। उनका बाहर होना टीम के लिए झटका है क्योंकिक इससे टीम की बल्लेबाज कमहोर होगी।

वहीं धोनी दो साल बार फिर कप्तानी करते दिखेंगे। ने आखिरी बार 2023 में चेन्नई की कप्तानी की थी और अपनी टीम को रिकॉर्ड बराबरी वाले पांचवें आईपीएल खिताब तक पहुंचाया था। तब फाइनल में धोनी की अगुवाई वाली सीएसके ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हार्दिक पंड्या की गुजरात टाइटंस को हराया था।

आईपीएल प्लेऑफ की रेस में इस बार दिल्ली कैपिटल्स सहित ये चार टीमें हैं प्रबल दावेदार

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 20 से अधिक मैच हो गये है। टूर्नामेंट हालांकि शुरुआती दौर में हैं पर अभी से कुछ टीम प्लेऑफ की दौड़ में आगे नजर आ रही हैं। वहीं कुछ टीमें पिछड़ती दिख रही हैं। इस बार दोनो ही पांच बार की चैंपियन टीमें मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन अब तक खराब रहा है और ऐसे में इनकी प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाए कम नजर आ रही हैं। वहीं इस बार दिल्ली दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अच्छा रहा है और ये चारों ही टीमें प्लेआफॅ की दावेदार नजर आ रही हैं। टूर्नामेंट में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने से पहले हर टीम को 14-14 मुकाबले खेलने होंगे। इन मुकाबलों को खेलने के बाद ही शीर्ष स्थान पर आई टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करेंगी। अन्य टीमें आईपील सीजन से बाहर हो जाएंगी।

दिल्ली कैपिटल्स

आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी अक्षर पटेल कर रहे है। इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स ही ऐसी टीम है जो कोई मुकाबला नहीं हारी है। दिल्ली कैपिटल्स ने तीन मैच खेले हैं और तीनों में जीत दर्ज की है। छह अंकों के साथ दिल्ली कैपिटल्स का रन रेट (प्लस1.257) पर बना हुआ है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए दिल्ली कैपिटल्स को यही प्रदर्शन जारी रखना होगा। उसे 11 में से 5 मैच जीतने होंगे।

गुजरात टाइटंस

गुजरात टाइटंस की कप्तानी शुभमन गिल कर रहे है। इस सीजन में चार में से तीन मुकाबलों में जीत दर्ज करने वाली गुजरात टाइटंस छह अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है। टीम का नेट रन रेट प्लस 1.031 का है। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए गुजरात टाइटंस को 10 शेष मुकाबलों में से पांच में जीत हासिल करनी होगी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

नये कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस सीजन में मजबूती के साथ खेल रही है। आरसीबी के बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों ही अच्छे फॉर्म में दिख रहे है। चार मैच खेल चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अबतक तीन मुकाबले जीत चुकी है। टीम का नेट रनरेट प्लस1.015 का बना हुआ है। पॉइंट्स टेबल में दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु तीसरे पायदान पर बनी हुई है। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए दमदार खेल दिखाते हुए टीम को 10 में से कम से कम पांच मुकाबले जीतने होंगे।

पंजाब किंग्स

पंजाब किंग्स की अगुवाई इस बार श्रेयर अय्यर के हाथों में है। उनके नेतृत्व में टीम ने चार में से तीन मुकाबले जीते है। टीम के बल्लेबाजों की फॉर्म जबरदस्त है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स शानदार खेल दिखा रही है। पंजाब किंग्स चौथे पायदान पर बनी हुई है। प्लेऑफ में जगह पाने के लिए उसे 10 में से पांच मुकाबले जीतने होंगे।

मुंबई इंडियंस

मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिका पांड्या के हाथों में है। पिछले सीजन की तरह इस सीजन में भी टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। मुंबई ने पांच मुकाबले

खेलने के बाद सिर्फ एक में जीत पाई है। मुंबई को नौ मैच खेलने है जिनमें से उसे सात मैच जीतने होंगे ताकि वो प्लेऑफ में पहुंच सके। अगर मुंबई दो मैच हार जाएगी तो प्लेऑफ में पहुंचना काफी मुश्किल हो जाएगा।

चेन्नई सुपर किंग्स

इस सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स ने ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में टीम विफल रही है। पांच मैच खेल चुकी टीम सिर्फ एक मैच ही जीती है। अंक तालिका में चेन्नई नौवें पायदान पर है। टीम के पास नौ मैच खेलने का मौका है, जिनमें से उसे सात में जीतना होगा तभी प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना बनेगी।

बीसीसीआई ने धीमी ओवर गति के लिए सैमसन पर लगाया जुर्माना

-रॉयल्स ने सत्र में दूसरी बार किया आचारसंहिता का उल्लंघन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर 24 लाख का जुर्माना लगाया है। सैमसन पर ये जुर्माना अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। इस मैच में रॉयल्स को 58 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। आईपीएल 2025 में यह दूसरी बार है जब राजस्थान की टीम ने आचारसंहिता का उल्लंघन किया है। इस कारण राजस्थान की अंतिम ग्यारह में शामिल सभी खिलाड़ियों पर 6 लाख या 25 फीसदी मैच फीस जो भी कम हो, का जुर्माना लगाया गया है। इस सत्र में इससे पहले राजस्थान रॉयल्स को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया था। उस मैच में कप्तानी कर रहे रियान पराग पर 12 लाख रुपए जुर्माना लगा था। वहीं बोर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'राजस्थान रॉयल्स के कप्तान सैमसन पर टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है।' साथ ही लिखा है, यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम की दूसरी गलती थी। इस कारण सैमसन पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इम्पैक्ट प्लेयर सहित अंतिम ग्यारह के बाकी सदस्यों पर या तो छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इस मैच में टॉस जीतकर रॉयल्स ने गुजरात को पहले पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया।

पोंटिंग और अय्यर के आत्मविश्वास बढ़ाने से प्रियांश को सर्वश्रेष्ठ पारी खेलने में मिली मदद

नई दिल्ली। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर की तूफानी गेंद ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच में प्रियांश आर्य के ऑफ स्टंप उखाड़ दिए थे लेकिन मुख्य कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर की सलाह की बदौलत 24 वर्षीय खिलाड़ी का आत्मविश्वास डगमगाया नहीं। राजस्थान रॉयल्स के आर्चर की लेंथ गेंद ने लगातार दूसरी बार प्रियांश के ऑफ स्टंप उखाड़ दिए थे। अगर अय्यर और पोंटिंग के साथ प्रियांश ने खुलकर बातचीत नहीं की होती तो इस तरह आउट होने के तरीके ने दिल्ली के इस सलामी बल्लेबाज का आत्मविश्वास कम कर दिया होता। पर अय्यर और पोंटिंग के आत्मविश्वास बढ़ाने का नतीजा चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 39 गेंद में शतक के रूप में सामने आया। इस पारी ने दिल्ली के इस खिलाड़ी को तुरंत स्टार बना दिया। प्रियांश ने कहा, 'रिकी सर ने मुझे यह कहकर आत्मविश्वास बढ़ाया कि कोई भी पहली गेंद पर आउट हो सकता है। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर आपको वही गेंद मिले तो उसे पार्क के बाहर मारो।' प्रियांश ने अगले मैच में पहली गेंद को पार्क के बाहर मारा था, हालांकि सीएसके के तेज गेंदबाज खलील अहमद की गेंद की लाइन एवं लेंथ अलग थी। पिछले साल स्थानीय दिल्ली लीग में छह गेंद में छह छक्के लगाकर सुर्खियों में आने वाले प्रियांश ने कहा, 'रिकी सर हमेशा मुझे अपने पुल शॉट को बेहतर बनाने के लिए कहते रहते हैं। तकनीकी पहलू पर उनके साथ काम नहीं किया है, हम केवल मानसिकता के बारे में बात करते हैं।'

गुजरात के गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया: पार्थिव पटेल

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए टीम के गेंदबाजों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल विकेट पर अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया।

साई सुदर्शन (53 गेंदों में 82 रन) ने शानदार अर्धशतक लगाया, इसके बाद सभी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करके गुजरात टाइटंस को 58 रन से जीत दिलाई। गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए तो राशिद खान और साई किशोर ने दो-दो विकेट लेकर राजस्थान को 159 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाई।

पार्थिव ने मैच के बाद कहा, 'जब आप इस तरह के विकेट पर 50 रन से अधिक के अंतर से जीत हासिल करते हैं तो इसका मतलब होता है कि आपके गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। मोहम्मद सिराज ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। प्रसिद्ध कृष्णा टूर्नामेंट में शुरू से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। साई किशोर शायद अभी तक टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है। हमारे सभी गेंदबाजों ने गेंदबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन किया।'

पार्थिव ने कहा, 'यह देखकर अच्छा लग रहा है कि प्रत्येक मैच में कोई गेंदबाज आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहा है। निश्चित तौर पर बल्लेबाजों ने जीत की नींव रखी लेकिन वास्तव में गेंदबाज आपको मैच जिताते हैं। हमारी टीम में किसी को कोई खास भूमिका नहीं सौंपी गई है। एक टीम के रूप में हमारा रवैया बेहद सरल है। हम परिस्थितियों के अनुसार रणनीति तैयार करते हैं।'

भारतीय महिला हॉकी टीम पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से चार मई तक होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारत श्रृंखला की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 26 और 27 अप्रैल को होने वाले दो मैचों से करेगा। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला खेलेगी। इस श्रृंखला के मैच एक, तीन और चार मई को खेले जाएंगे। सभी मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। यह दौरा जून में शुरू होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। नौवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 के दौरान अपने आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया था लेकिन इन दोनों टीम के बीच 2013 के बाद खेले गए 16 मैचों में से ऑस्ट्रेलिया ने 10 में जीत हासिल की है। भारत ने तीन जीत दर्ज की हैं, जबकि तीन मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के दौरे के संदर्भ में कहा, 'यह दौरा एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए हमारी तैयारियों को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से हमारे खिलाड़ियों को अपने खेल का आकलन करने का अच्छा मौका मिलेगा।'

दक्षिण अफ्रीका को लगा झटका, डब्लूटीसी फाइनल से पूर्व कप्तान टेम्बा बावुमा हुए चोटिल

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कैप्टन टेम्बा बावुमा को कोहनी की चोट लगी है, जिसने उन्हें घरेलू प्रथम श्रेणी के फाइनल में भाग लेने से रोक दिया है, जो गुरुवार को जोहान्सबर्ग में होना है। बावुमा मंगलवार को केप टाउन से लायंस टीम के साथ जुड़ने वाले थे, लेकिन जोहान्सबर्ग पहुंचने में विफल रही। लायंस ने बुधवार को देर से पता लगाया कि बावुमा निगल के कारण मैच नहीं खेल सकते।

बावुमा की नई चोट जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से दो महीने पहले लगी है जो डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया है। बावुमा की चोट को लेकर अभी तक पूरी जानकारी नहीं है। बुधवार की सुबह, लायंस के कप्तान डोमिनिक हेंड्रिक्स ने मार्की गेम में बावुमा के साथ खेलने के बारे में अपनी उत्तेजना व्यक्त की।

यह बावुमा का पहला उदाहरण नहीं है। उन्होंने 2022 में अपनी बाईं कोहनी को चोटिल कर लिया था जिससे उन्हें साइडलाइन पर बैठने और मिस दक्षिण अफ्रीका के इंग्लैंड के दौरे के लिए मजबूर होना पड़ा। पिछले साल उन्होंने अबू धाबी में एक वनडे में आयरलैंड के खिलाफ एकल पूरा करते हुए अजीब तरह से गिरने के बाद एक ही कोहनी को फिर से घायल कर दिया। नतीजतन वह बांग्लादेश के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के दो परीक्षणों से चूक गए।

चोटों से त्रस्त एक चरण पर काबू पाने के बाद बावुमा ने चार परीक्षणों में दो शतकों और श्रीलंका के खिलाफ चार अर्धशतक के साथ वापसी की। उन्होंने पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका का नेतृत्व किया, लेकिन अपनी कोहनी पर भारी स्ट्रैपिंग के साथ खेला। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की विजय के बाद से बावुमा प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से अनुपस्थित रहे हैं।

पिछले हफ्ते वह ब्लोमफोन्टिन में अपने अंतिम प्रथम श्रेणी के लीग मैच के लिए लायंस के साथ मौजूद थे, लेकिन खेल को बारिश से पूरी तरह से धोया गया था। दक्षिण अफ्रीका में

11 जून से शुरू होने वाले फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्लूटीसी ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रतिष्ठित लॉर्ड में दिखाई देने से पहले सिर्फ आठ सप्ताह बाकी हैं।

जूनियर विश्व कप हॉकी में अच्छा प्रदर्शन करना है लक्ष्य : साक्षी राणा

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की युवा फॉरवर्ड साक्षी राणा का लक्ष्य जूनियर विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना है। हॉकी प्रो लीग में सीनियर टीम की ओर से सफल पदार्पण से भी साक्षी के हौंसले बुलंद हैं। जूनियर विश्वकप इस साल के अंत में चिली में होगा। साक्षी ने स्पेन के खिलाफ पदार्पण मैच में ही गोल किया था जबकि भारतीय टीम ये मुकाबला 3-4 से हार गयी थी। साक्षी ने कहा, 'मैं लंबे समय से पदार्पण का इंतजार कर रही थी इसलिए टीम में जगह पाकर उत्साहित हूं। मैं मैच से पहले दबाव में नहीं थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा समर्थन कर कहा था कि निडर होकर खेलना। उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य पहले मैच में गोल करने का था। मैने जब गेंद पाई तो देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है। मैने शॉट लगाया और गोल हो गया। साक्षी ने कहा, 'मैने हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेला तो मुझे पता चला कि रफ्तार कितनी जरुरी है। मुझे फॉरवर्ड पंक्ति में होने के कारण मैदान पर अपनी रफ्तार अधिक से अधिक बढ़ानी होगी। इसलिए अब मैं इसी पर काम कर रही हूं। साक्षी पिछले साल जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम में भी शामिल थी। उन्होंने कहा, 'मेरा ध्यान जूनियर विश्व कप पर है और मैं इसके लिए काफी मेहनत कर रही हूं जिससे देश के पदक जीतने में अपनी ओर से योगदान दे सकूं।

अमेरिकी वीजा में देरी के कारण भारत को विश्व कप में पदक से हाथ धोना पड़ा, कोच ने लगाया आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय कोच जीवनजोत सिंह तेजा ने कहा कि देश की महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम वीजा में देरी के कारण अमेरिका में सत्र के पहले विश्व कप चरण एक टूर्नामेंट में नहीं खेल सकी जिससे टीम को पदक से हाथ धोना पड़ा। दुनिया की नंबर एक भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने 2024 में दांव पर लगे तीनों स्वर्ण पदक जीते थे। इसकी तीन सदस्य विश्व चैंपियन अदिति स्वामी, मधुरा धामनगांवकर और तनिपर्थी चिकिथा को समय पर अमेरिकी वीजा नहीं मिला जिसके कारण वे फ्लोरिडा के ऑरबर्नडेल में प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकीं।

तेजा खुद अमेरिका नहीं जा सके। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से यह पदक से चूकने जैसा था। हमारी महिला टीम स्पर्धा जीतने की शत प्रतिशत संभावना थी। हमने पिछले साल शंघाई, येचियोन और अंताल्या में आयोजित विश्व कप के सभी तीन स्वर्ण पदक जीते थे। लेकिन दुर्भाग्य से वीजा में देरी के कारण हम इस बार अपना खिताब नहीं बचा सके।' 2022 में द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता तेजा ने 2021 में तोक्यो में हरविंदर सिंह को भारत का पहला पैरालंपिक तीरंदाजी पदक (कांस्य) दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी। पिछले साल पेरिस पैरालंपिक में जब हरविंदर ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था, तब भी वह मौजूद थे।

तेजा ने बताया कि भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने तीन महीने पहले वीजा के लिए आवेदन कर दिया था। उन्होंने कहा, 'हमने तीन महीने पहले चयन ट्रायल आयोजित किए थे और टीम की घोषणा करने के तुरंत बाद हमने अमेरिकी वीजा के लिए आवेदन कर दिया था। हमें 'बैकलॉग' के बारे में पता था।'

अमेरिकी दूतावास और बाद में खेल मंत्रालय के साथ प्रयासों के बावजूद वीजा आठ अप्रैल को जारी किए गए, तब तक कंपाउंड प्रतियोगिता शुरू हो चुकी थी। भारत को इस टूर्नामेंट के लिए 23 सदस्यीय दल भेजना था जिसमें तीरंदाज, कोच और सहायक कर्मचारी शामिल थे। बार-बार देरी के बाद केवल 14 सदस्यों के लिए वीजा की मंजूरी मिली।

एएआई ने इंस्टाग्राम पर एक अपील भी की थी। फिर विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप से वीजा मिल पाया। हालांकि नौ में से दो को वीजा देने से मना कर दिया गया जबकि अन्य सात को प्रतियोगिता शुरू होने के दिन आठ अप्रैल को मंजूरी मिली जिनमें तीन महिला कंपाउंड तीरंदाज शामिल थीं। एएआई के सहायक सचिव गुंजन अबरोल ने बताया, 'प्रतियोगिता शुरू होने के बाद तीन कंपाउंड तीरंदाजों को भेजने का कोई मतलब नहीं

था। हमें उनके टिकट रद्द करने पड़े।' भारत दो रिकर्व तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा और अनीशा कुमारी को भेजने में कामयाब रहा जो एक दिन बाद होने वाली अपनी स्पर्धाओं के लिए समय पर पहुंच गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं ?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को

दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डियो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं ?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

(वाराणसी) प्रधानमंत्री मोदी का वाराणसी दौरा आज, 3880 करोड़ रुपए की 44 परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

वाराणसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल 11 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे तथा 3,880 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। वाराणसी के संभागीय आयुक्त कौशल राज शर्मा ने कहा कि जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा उनमें ग्रामीण विकास पर केंद्रित योजनाएं शामिल हैं, जिनमें 130 पेयजल परियोजनाएं, 100 नए आंगनवाड़ी केंद्र, 356 पुस्तकालय, पिंडरा में एक पॉलिटेक्निक कॉलेज और एक सरकारी डिग्री कॉलेज शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री पुलिस लाइन में ट्रांजिट हॉस्टल और रामनगर में पुलिस बैरक तथा चार ग्रामीण सड़कों का भी उद्घाटन करेंगे।

शहरी विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए मोदी 'शास्त्री घाट' और 'सामने घाट' पर परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, साथ ही रेलवे और वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) द्वारा किए गए विभिन्न सौंदर्यीकरण परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी, उनमें से 25 परियोजनाएं 2,250 करोड़ रुपये की हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य शहर के बिजली ढांचे को मजबूत करना है।

इसमें 15 नए 'सबस्टेशन' का निर्माण, नए ट्रांसफार्मर की स्थापना और 1,500 किलोमीटर नयी बिजली लाइन बिछाना शामिल है। चौकाघाट के पास एक नया 220 केवी सबस्टेशन भी बनाया जाएगा, जिसका लक्ष्य 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री तीन नए फ्लाईओवर के साथ-साथ विभिन्न सड़क चौड़ीकरण पहल और स्कूल नवीनीकरण कार्य और शिवपुर और 'यूपी कॉलेज' में दो स्टेडियम की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी रोहनिया के मेहंदीगंज में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

उन्होंने कहा कि गर्मी और यातायात को देखते हुए ग्रामीण आबादी की पहुंच आसान बनाने के लिए मोदी का कार्यक्रम शहर की सीमा से बाहर रिंग रोड पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम सुबह होगा, जिससे उपस्थित लोग दोपहर से पहले घर लौट सकेंगे। उधर, कैंट कैंप कार्यालय में पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और एडीजी (सुरक्षा) रघुवीर लाल ने बताया कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में छह एसपी, आठ एडिशनल एसपी, 33 सीओ और पुलिस, पीएसी और अर्धसैनिक बलों के करीब 4,000 जवान तैनात रहेंगे।

कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश पूरी तरह से जांच और तलाशी के बाद ही होगा। कार्यक्रम स्थल के पास अस्थायी 'पार्किंग जोन' बनाए जाएंगे।

वीआईपी मार्ग और आसपास के इलाकों में छतों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को उपस्थित लोगों के साथ विनम्र व्यवहार बनाए रखने का भी निर्देश दिया गया है।

दिल्ली में निजी स्कूलों ने बढ़ाई फीस, अभिभावक परेशान

आतिशी ने बीजेपी को घेरा, स्कूलों से सांठ-गांठ का लगाया आरोप

नई दिल्ली।

दिल्ली में हाल ही में स्कूल फीस बढ़ोतरी को लेकर राजनीतिक तेज हो गई है। विपक्ष की नेता आतिशी ने आरोप लगाया कि बीजेपी निजी स्कूलों को सालाना 10 फीसदी फीस बढ़ाने का अनियंत्रित अधिकार देने की मंशा रखती है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद के कार्यालय ने दावों का खंडन किया। आतिशी ने कहा कि दिल्ली में अभिभावक इस बात से घबराए हुए हैं कि निजी स्कूलों ने अपनी फीस में काफी वृद्धि कर दी है। कई स्कूलों ने फीस में 30,40,50 और 60 फीसदी की वृद्धि की है और कुछ मामलों में तो 80 फीसदी तक की वृद्धि की है। बीजेपी पर निजी संस्थानों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल को शिक्षा मंत्री आशीष सूद के घर पर शीर्ष निजी स्कूल मालिकों के साथ एक बैठक हुई। इस बैठक में स्कूलों को आश्वासन दिया गया था कि फीस बढ़ोतरी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी और बीजेपी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार जल्द ही एक आदेश जारी करेगी, जिसमें निजी स्कूलों को सालाना 10 फीसदी फीस बढ़ाने की अनुमति होगी। दिल्ली में बेलगाम फीस बढ़ने का कारण है प्राइवेट स्कूलों और बीजेपी की सांठगांठ। वहीं, आतिशी ने एक्स पर लिखा कि

इस साठ-गाठ के सूत्रधार हैं भरत अरोड़ा। ये प्राइवेट स्कूलों की संस्था के चेयरमैन हैं और सालों से फीस की बढ़ोतरी के लिए लड़ते आए हैं। यह बीजेपी के पदाधिकारी हैं और सीएम रेखा गुप्ता के चुनाव प्रचार में प्रमुखता से शामिल थे। आतिशी ने कहा कि उन्होंने सीएम रेखा गुप्ता को पत्र लिख कर तुरंत प्रभाव से बढ़ी फीस रोकने की मांग की है। साथ ही भारत अरोड़ा के अनुचित प्रभाव की जांच की भी मांग की है।

गोवा विधानसभा चुनाव में 27 से अधिक सीटें जीतेगी बीजेपी: सावंत

2029 में नरेंद्र मोदी का फिर प्रधानमंत्री बनना तय

पणजी।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वर्ष 2027 में 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा चुनाव में 27 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

पणजी में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सीएम सावंत ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाजपा 2029 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सत्ता बरकरार रखेगी। सीएम सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के कारण अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा 300 से अधिक सीटों पर जीतेगी।

केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बीते साल 543 सदस्यीय लोकसभा के चुनाव में 293 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा को 240 सीटें मिली थीं। वर्ष 2022 के गोवा विधानसभा चुनावों में, भाजपा 20 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और राज्य में तीसरी बार अपनी सरकार बनाने के लिए क्षेत्रीय संगठन एमजीपी और तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन हासिल किया।

सीएम सावंत ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना हैं कि वर्ष 2027 में हमारे पास 27 से अधिक विधानसभा सीटें हों। सीएम ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मतदाताओं तक पहुंचने और उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देने का आग्रह किया।

ईडी ने केरल के पूर्व विधायक एमसी कमरुद्दीन और सहयोगी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के पूर्व विधायक एमसी कमरुद्दीन और उनके सहयोगी टीके पूकोया थंगल को 20 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया है। मंजेश्वरम निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व प्रतिनिधि और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेता कमरुद्दीन फैशन गोल्ड ग्रुप कंपनियों के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। पूकोया इसी फर्म के प्रबंध निदेशक हैं। ईडी के अनुसार, निवेशकों से धोखाधड़ी की कई शिकायतों की जांच के बाद 7 अप्रैल को गिरफ्तारियां की गईं। दोनों को कोझिकोड में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में पेश किया गया, कोर्ट ने आगे की जांच के लिए एजेंसी को दो दिन की हिरासत में दे दिया। यह मामला केरल के कन्नूर और कासरगोड जिलों में पुलिस द्वारा दर्ज 168 एफआईआर पर आधारित है। कथित तौर पर कंपनी ने उच्च रिटर्न का लालच देकर जनता से बड़ी मात्रा में धन एकत्र किया। हालांकि, बाद में पता चला कि कंपनी को इस तरह की जमा राशि स्वीकार करने के लिए कानूनी रूप से अधिकृत नहीं थी। एजेंसी ने कहा कि आरोपी कंपनी और उसके निदेशकों ने आकर्षक रिटर्न का लालच देकर निवेशकों को धोखा देने के बेईमान इरादे से जनता से बड़ी जमा राशि एकत्र की।

जयपुर में एसीबी ने इंजीनियर के ठिकानों पर की छापेमारी,करोड़ों की प्रॉपर्टी मिली

लीगल इनकम से 200 प्रतिशत अधिक कमाई

जयपुर।

जयपुर में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता के ठिकानों पर छापेमारी की है। सर्च में इंजीनियर के पास करोड़ों की प्रॉपर्टी मिली है। एसीबी के एडिशनल एसपी ने बताया कि इंजीनियर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिली थी। इसके बाद जांच में अब तक आरोपी के पास से 2 ऑडी कार सहित करीब 2 करोड़ की गाड़ियां मिली हैं। विदेशों में घूमने का शौकीन इंजीनियर कई लग्जरी फ्लैट और फार्म हाउस का भी मालिक है। दूदू (जयपुर) में पोस्टेड आरोपी हरिप्रसाद मीणा के खिलाफ कार्रवाई गुरुवार सुबह शुरू हुई थी। एक्सईएन के 5-6 ठिकानों छापेमारी की जा रही है। इसमें दूदू के गांव बगड़ी और जगतपुर में उसके घर सहित ऑफिस में भी एसीबी के अधिकारी मौजूद हैं। मीणा के घर से 2 ऑडी भी मिली हैं। जानकारी के अनुसार ये कारें संभवत- दो-तीन साल ही पुरानी हैं। इंजीनियर के यहां कई एग्रीकल्चर जमीनों के कागजात मिले हैं। मीणा ने विदेश यात्राओं और महंगी होटलों में रूकने में करीब 45 लाख रुपए भी खर्च किए हैं। आरोपी इंजीनियर जयपुर के अलावा दौसा में भी जमीनों में निवेश किया है। आरोपी इंजीनियर ने लालसोट में एक लग्जरी फार्म हाउस भी बना रखा है। आरोपी और परिवारजनों के करीब 19 बैंकों में खाते हैं जिन से करोड़ों का लेनदेन हुआ है। कार और जमीनों के लिए बैंक से लोन लिया, लेकिन समय से पहले ही चुका दिया। एक्सईएन ने सरकारी नौकरी में आने से अब तक करीब चार करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी जमा की है। जो कि जो कि लीगल इनकम से करीब 200 प्रतिशत अधिक है।

कन्हैया कुमार की बिहार में बढ़ती सक्रियता, लालू और तेजस्वी का बीपी बढ़ा रही

तेजस्वी के मुद्दों को भुनाने में जुटे कन्हैया

पटना।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपनी-अपनी गोटी बिठाने में जुटे हैं। इसी कड़ी में बिहार में पलायन और बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनने में कांग्रेस जुटी हुई है। हालांकि पलायन और बेरोजगारी के मुद्दे पर महागठबंधन में दो दल यानी कि कांग्रेस और राजद में खटपट चल रही हैं। दोनों ही दलों की ओर से मुद्दे को उठाया जा रहा है। लेकिन इसके जरिए एक ओर जहां तेजस्वी यादव है। वहीं दूसरी ओर कन्हैया कुमार हैं। राजनैतिक जानकारों के द्वारा दावा किया जा रहा है तेजस्वी के एजेंडे को कन्हैया ने पूरी तरीके से लपक लिया है। तेजस्वी लगातार बेरोजगारी, पलायन और शिक्षा को मुद्दा बना रहे हैं।

वहीं अब इन्हीं मुद्दों के सहारे कन्हैया भी बिहार में कांग्रेस की राजनीति को धार देने की कोशिश में लगे हुए हैं। कांग्रेस नेता कन्हैया पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा निकल रहे हैं। इसके जरिए बेरोजगारी और पलायन को बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। लेकिन यह कहीं ना कहीं राजद के लिए परेशानी खड़ कर रहा है। दावा हैं कि कन्हैया की पदयात्रा तेजस्वी के लिए परेशानी की सबब बन सकती है। यह दोनों नेता एक ही गठबंधन के हिस्सा हैं, लेकिन एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि युवाओं के वोटो को अपनी और कौन खींचने में ज्यादा कामयाब रहता है। राजद प्रमुख और पूर्व सीएम लालू यादव की वीटो के बावजूद भी कन्हैया को कांग्रेस आलाकमान का सहयोग मिल रहा है। इसकारण कन्हैया की यात्रा में खुद राहुल गांधी शामिल हुए। इसके बाद सवाल उठा रहा हैं कि क्या तेजस्वी के चुनावी मुद्दे को अब कांग्रेसी छीनना चाहती है।

पिछले 5-7 सालों में तेजस्वी लगातार रोजगार की बात कर रहे हैं। उन्होंने पिछले चुनाव में 10 लाख नौकरी देने का भी वादा किया था। इस बार भी वह कुछ इसी तरीके का वादा कर रहे हैं। लेकिन कन्हैया भी इसमें पीछे नहीं है। वह युवाओं से सक्षम बनने की बात कर रहे हैं। रोजगारी की बात कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना करना ममता को पड़ा भारी, अवमानना नोटिस जारी

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एसएससी (स्कूल सेवा आयोग) भर्ती घोटाले के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना करना भारी पड़ गया है। उनकी हालिया टिप्पणियों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अवमानना नोटिस जारी कर दिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बर्खास्त शिक्षकों के एक वर्ग से मुलाकात की और उनका समर्थन करने की कसम खाकर आश्वासन दिया कि योग्य उम्मीदवार बेरोजगार नहीं होने दूंगी। यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2016 के पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग भर्ती के माध्यम से की गई 25,752 स्कूल नौकरियों की नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले को बरकरार रखने के कुछ दिनों बाद हुआ है।

ममता ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बंगाल सरकार द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के रूप में अपनी नौकरी खोने वाले लोगों को कहा कि कृपया यह मत समझिए कि हमारी सरकार ने इस फैसले को स्वीकार कर लिया है। हम पत्थर दिल नहीं हैं, और ऐसा कहने के लिए मुझे जेल भी हो सकती है, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है।

सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन पहुंचे मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन' पहुंचे और इसका निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली उत्पादन इकाइयों का सुव्यवस्थित संचालन करे, जिससे गर्मी के मौसम में किसानों व लोगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। सीएम शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि बिजलीघर के सभी तकनीकी पहलुओं का समय-समय पर निरीक्षण करे, ताकि विद्युत उत्पादन प्रभावित नहीं हो तथा तकनीकी खराबी के कारण उत्पादन इकाइयों के 'शट डाउन' जैसी स्थिति से बचा जा सके। उन्होंने सभी इकाइयों की विद्युत उत्पादन क्षमता की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नई तकनीक से कम लागत में प्रदेश के बिजली उत्पादन की क्षमता को बढ़ाने के लिए काम कर रही है। वहीं, बिजली केंद्र में 100 मेगावॉट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो चुका है। इन अहम निर्णयों से राज्य सरकार का किसानों को दिन में बिजली देने का संकल्प पूरा होगा। इसके पहले, सीएम शर्मा ने बुड्ढा जोहड़ में श्री बिश्नोई मंदिर (डाबला) में दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की। उन्होंने ऐतिहासिक गुरुद्वारे में भी मत्था टेका।

कौशल हत्या मामले में उपमुख्यमंत्री चौधरी का बयान, ये पारिवारिक मामला, अपराध नहीं

पटना।

खगड़िया जिले के बेलदौर से जदयू विधायक पन्नालाल सिंह पटेल के भांजे और जेडीयू नेता कौशल सिंह की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान चौथम थाना क्षेत्र अंतर्गत मेदनी नगर निवासी 50 वर्षीय कौशल सिंह के रूप में हुई है।

मृतक कौशल सिंह फिलहाल जदयू में जिला महासचिव पद पर थे। पारिवारिक विवाद में जदयू नेता की हत्या की बातें सामने आ रही है। घटना के बाद एसपी नेक्टर हॉस्पिटल पहुंचकर घटना की जांच की। घटना को लेकर बताया गया कौशल सिंह अपनी पत्नी के साथ बाइक से कैथी की ओर से गोदाम गया हुआ था।

उसका गोदाम पूर्वी टोला कैथी और जय प्रभानगर के बीच एनएच 107 से सटे है। मृतक की पत्नी के मुताबिक उसी वक्त कौशल सिंह का भतीजा आकर गोली मार दी।

गोली कौशल सिंह की कनपटी में लगी। इसके बाद गोली चलाने वाला फरार हो गया। घटना के बाद घायलवस्था में कौशल सिंह को शहर के नेक्टर हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद एसपी खुद नेक्टर हॉस्पिटल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। वहीं पूरे मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि अगर कोई हत्या पारिवारिक दुश्मनी से जुड़ी है, तब यह पारिवारिक मामला है, अपराध नहीं। मृतक के परिवार के सदस्यों के बयान के अनुसार, यह परिवार से जुड़ा मामला है।

एनएच-107 पूर्वी टोला कैथी व जयप्रभानगर के बीच जैसे ही गोदाम के निकट पहुंचा तो इसी बीच पहले से पीछा कर रहे बाइक सवार बदमाशों ने उसे रोककर पहले दो गोली मारी। इसी बीच वह बाइक से गिर गया।

फिर बदमाशों ने दोबारा दो फायरिंग की और तीनों बाइक सवार बदमाश गोली मारने के बाद सीधे बाइक से सोनवर्षा की ओर भाग गए।

वोट बैंक की राजनीति के खातिर बंगाल में वक्फ कानून को लागू नहीं करना चाहती ममता: सरावगी

पटना।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वक्फ संशोधन कानून को लागू नहीं करने के ऐलान पर बिहार सरकार में राजस्व मंत्री संजय सरावगी ने सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा कि ममता वोट बैंक की राजनीति करने में लगी हुई हैं। नीतिश सरकार में राजस्व मंत्री सरावगी ने कहा, जब संसद से कोई कानून पारित होता है, तब वहां कानून पूरे देश में लागू होता है। मैं उनसे (ममता बनर्जी) पूछना चाहता हूं कि वे वक्फ कानून को बंगाल में क्यों नहीं लागू करना चाहती हैं। ये कानून मुसलमानों के हित का है और इसमें भी ये विशेषकर पसमांदा मुसलमानों के हित में हैं। मगर, ममता वोट बैंक की राजनीति कर रही हैं और पश्चिम बंगाल के लोग इस बात को समझ रहे हैं। इस बार उन्हें समझ में आ जाएगा। उन्होंने कहा, विरोधी दलों ने तीन तलाक का भी विरोध किया और इतना ही नहीं सीएए के बारे में भ्रम फैलाया गया कि सभी मुसलमानों को देश से भगा दिया जाएगा। मगर, प्रधानमंत्री मोदी ने खुद कहा था कि एक भी मुसलमान देश से बाहर नहीं जाएगा, ये लोगों को भ्रमित करने का

काम करते हैं। भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, वक्फ भारत के पार्लियामेंट से पास कानून है। ममता अगर इस फैसले को नहीं मानती हैं, तब देश के कानून में इतने उपाय हैं कि उन्हें ठीक कर दिया जाएगा। वहीं बिहार सरकार में मंत्री मंगल पांडे ने कहा, ममता हमेशा ही उन लोगों का समर्थन करती हैं, जो इस राष्ट्र के विकास के बाधक रहे हैं। वक्फ कानून में राष्ट्र का विकास निहित है और इसमें पसमांदा, गरीब और अल्पसंख्यकों के विकास की बात कही गई है। मगर, ममता बनर्जी को कभी भी इस राष्ट्र के विकास की चिंता नहीं है बल्कि, उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता है।

संक्षिप्त समाचार

भ्रष्ट और अंग्रेजों की भूली-बिसरी औलाद कांग्रेसः कंगना रनौत

सुंदरनगर। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद कंगना रनौत ने कांग्रेस पर हमला कर भ्रष्ट और अंग्रेजों की भूली-बिसरी औलाद बताया। सुंदरनगर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर आईं अभिनेत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश भ्रष्टाचार के लिए जाना जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने साहसिक निर्णयों और बेदाग ईमानदारी से उस धारणा को पूरी दुनिया में बदल दिया। कंगना ने कांग्रेस पर झूठे वादे करने आरोप लगाकर कहा कि मंडी से पूर्व कांग्रेस सांसद प्रतिभा सिंह ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से निर्वाचन क्षेत्र को कोई राशि आवंटित नहीं की। रनौत ने दावा किया कि उन्होंने बीते आठ महीनों में रामपुर से भरमौर तक मंडी के सभी इलाकों में पांच करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

तहव्वुर राणा का भारत आना मोदी सरकार की एक बड़ी कामयाबी

इजरायल के महा वाणिज्यदूत कोबी शोशानी का बयान

मुंबई। मुंबई 2008 के आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को गुरुवार को अमेरिका से भारत लाया गया। भारत में इजरायल के महा वाणिज्यदूत कोबी शोशानी का मानना है कि कथित आंतकी राणा का भारत आना मोदी सरकार की एक बड़ी कामयाबी है। शोशानी ने कहा, मैं भारत सरकार को बधाई देना चाहूंगा क्योंकि यह निश्चित रूप से मोदी सरकार, भारतीय कूटनीति के लिए एक बड़ी सफलता है, वर्षों की कोशिशों के बाद राणा को भारत लाया जा सका है। इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बेहतर रिश्ते की भी भूमिका रही है। शोशानी ने कहा, 26/11 मुंबई हमले के बाद मैं भारत आया था। मुझे विदेश मंत्री ने यहां भेजा था। मेरे जेहन में तब के नरीमन हाउस, ताज होटल, वीटी स्टेशन और लियोपोल्ड कैफे जाने की याद आज भी ताजा है। मुझे वह दिन बहुत अच्छी तरह याद है। मुझे आज भी बारूद की गंध आती है। 26/11 हमले में 164 लोग मारे गए और 300 से ज्यादा घायल हुए। आतंकवादियों ने भारतीयों और अन्य देशों के नागरिकों की हत्या की। मृतकों में इजरायल के चार नागरिक भी शामिल थे।

नवरात्रि पर हिमाचल में 18.85 लाख तीर्थयात्रियों ने किए शक्तिपीठों के दर्शन

बिलासपुर। हाल ही में संपन्न हुए नवरात्रि उत्सव के दौरान हिमाचल प्रदेश में 18.85 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने शक्तिपीठों के दर्शन किए। आंकड़ों के मुताबिक सबसे ज्यादा 7.82 लाख भक्तों ने कांगड़ा जिले के ज्वाला मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद सिरमौर में माता बाला सुंदरी मंदिर में 3.42 लाख, बिलासपुर में नैना देवी मंदिर में 3.20 लाख, कांगड़ा में बगलामुखी मंदिर में 1.30 लाख, ऊना में चिंतपूर्णी मंदिर में 1.23 लाख, बृजेश्वरी देवी मंदिर में 96,850 और चामुंडा देवी मंदिर में 89 हजार भक्तों ने दर्शन किए। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि यातायात आंकड़ों से पता चला है कि इस अवधि में 15,481 भारी मोटर वाहन, 66,996 हल्के मोटर वाहन और 55,718 दोपहिया वाहनों ने इन शहरों में प्रवेश किया।

दो अलग-अलग घटनाओं में आकाशीय बिजली गिरने से दो की मौत

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद जनपद में दो अलग-अलग स्थानों पर गुरुवार तड़के आए तूफान में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में अपर जिलाधिकारी ने बताया कि पहली घटना तहसील सदर क्षेत्र नारखी थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर में हुई जिसमें खेत पर काम कर रही महिला ललिता देवी (30) पर आकाशीय बिजली गिरने से झुलस गई। झुलसी अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक महिला आठ माह की गर्भवती थी। दूसरी घटना थाना जसराना क्षेत्र के गांव चनारी में घटी जिसमें खेत पर काम कर रहे किसान पदम वीर सिंह (32) की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। दोनों स्थानों पर तहसील की टीम भेजी गई है। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि शासन को दैवीय आपदा राहत कोष से राहत राशि देने के लिए अवगत करा दिया गया है।

धनशोधन मामले में ईडी ने रियल्टी समूह के परिसरों पर मारे छापे

समूह पर घर खरीदारों से करीब 40 करोड़ की धोखाधड़ी का है आरोप

नोएडा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा के एक मॉल और अन्य स्थानों पर छापेमारी की। ये छापे नोएडा स्थित एक 'रियल्टी समूह' के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत मारे गए हैं। इस समूह पर घर खरीदारों से करीब 40 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई भसीन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, इसके निदेशक और प्रवर्तक सतिंदर सिंह भसीन और कुछ अन्य के खिलाफ की गई है।

ईडी की कार्रवाई के बारे में कंपनी या उसके निदेशकों से संपर्क नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि ईडी के अधिकारी ग्रेटर नोएडा में 'ग्रांड वेनिस मॉल' समेत नोएडा, दिल्ली और गोवा में कुछ परिसरों में धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत तलाशी ली गई। ईडी की यह जांच कंपनी और उसके प्रमोटरों के खिलाफ घर खरीदारों द्वारा दर्ज कराई गई करीब 40 शिकायतों से जुड़ी है। सूत्रों ने बताया कि निवेशकों से करीब 40 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका : मेक्सिको में बर्ड फ्लू से पहली मौत बच्ची के संपर्क में रहे सभी की जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। मेक्सिको में मंगलवार को एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा से पहली मौत दर्ज की गई है। उत्तरी राज्य कोआहुइला में तीन वर्षीय बच्ची की मौत हुई। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एलिउड एगुइरे ने कहा कि बच्ची की सुबह-सुबह मौत हो गई। संक्रमण के कारण उसके कई अंग काम करना बंद कर चुके थे। एगुइरे ने कहा, हम उन सभी व्यक्तियों की निगरानी कर रहे हैं, जो रोगी के संपर्क में थे। हम पता लगाने के लिए परीक्षण कर रहे हैं कि वे संक्रमित हैं या नहीं। अभी तक, किसी का भी परीक्षण पॉजिटिव नहीं आया है। अमेरिका के टेक्सास राज्य के एक काउंटी में खसरा का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। अब तक 505 लोग इस बीमारी से प्रभावित हो चुके हैं। इसमें लुबॉक शहर के एक डे केयर सेंटर में भी खसरे के कई मामले सामने आए हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस प्रकोप के कारण इस साल तीन लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जिनमें दो छोटे बच्चे शामिल हैं। लुबॉक अस्पताल में एक बच्चे की मौत हुई है।

अमेरिका : इडाहो में पुलिस ने दिव्यांग किशोर को गोली मारी, हालत गंभीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इडाहो राज्य के पोकाटेलो शहर में पुलिस अधिकारियों ने एक 17 वर्षीय दिव्यांग किशोर विक्टर पेरेज को कथित तौर पर गोली मार दी। विक्टर बोलने में असमर्थ और बौद्धिक रूप से दिव्यांग हैं। वह अपने घर के पीछे वाले हिस्से में एक चाकू के साथ देखे गए थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को शांत करने या कम घातक उपायों को अपनाने के बजाय विक्टर पर गोलीबारी की, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। घटना को लेकर समुदाय के लोगों ने आक्रोश जाहिर किया है और उनके परिवार ने न्याय की मांग की।

नेपाल : राजशाही समर्थक पार्टी ने निकाली रैली

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने मंगलवार को एक विरोध रैली निकाली। रैली में राजशाही को बहाल करने और नेपाल को हिंदू राज्य के रूप में स्थापित करने की मांग की गई। काठमांडो के बाहरी इलाके बल्खू में पार्टी अध्यक्ष राजेंद्र लिंगडेन के नेतृत्व में रैली में हजारों कार्यकर्ता, नेता शामिल रहे।

उत्तर कोरिया अपना परमाणु कार्यक्रम नहीं छोड़ेगा- किम यो जोंग

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन ने बुधवार को वाशिंगटन और

उसके एशियाई सहयोगियों का उत्तर कोरिया को परमाणु निरस्त्रीकरण करने के उनके दिवास्वप्न के लिए मजाक उड़ाया और जोर देकर कहा कि देश कभी भी अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को नहीं छोड़ेगा। देश के शीर्ष विदेश नीति अधिकारियों में से एक किम यो जोंग का यह बयान पिछले सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के शीर्ष राजनयिकों के बीच एक बैठक के जवाब में था, जहां उन्होंने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि परमाणु निरस्त्रीकरण पर कोई भी बाहरी चर्चा सबसे शत्रुतापूर्ण काम है और उनके देश की संप्रभुता को नकारने के बराबर है।

भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच ब्राजील के संचार मंत्री ने दिया इस्तीफा

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील सरकार में संचार मंत्री जुस्सेलिनो फील्हो ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। ये आरोप उनके सांसद रहते हुए ((2017 से 2022 तक) मारान्हाओ राज्य में सड़क निर्माण के लिए आवंटित सार्वजनिक धन का निजी उपयोग करने से जुड़े हैं। फील्हो ने किसी भी गलत काम से इनकार किया। उन्होंने कहा कि आरोप उनके मंत्रालय में उनके कार्यकाल से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने अपने कानूनी बचाव पर फोकस करने के लिए कैबिनेट से इस्तीफा दिया है। लेकिन वह संसद में अपनी सीट को बनाए रखेंगे। राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद किसी मंत्री का यह पहला इस्तीफा है।

ब्रिटेन : 80 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के मामले में दो किशोर दोषी करार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में भारतीय मूल के भीम सेन कोहली (80 वर्षीय) की हत्या के मामले में दो किशोरों को दोषी पाया गया है। यह घटना पिछले साल सितंबर में तब हुई, जब कोहली अपने कुत्ते को पार्क में घुमाने गए थे और बिना किसी कारण के उन पर हमला कर दिया गया। हमलावर 14 साल के लड़के और 12 साल की लड़की को लीसेस्टर क्राउन कोर्ट ने दोषी करार दिया। दोनों ने हमला किया था और वीडियो बनाया। इन दोनों का नाम कानूनी कारणों से सार्वजनिक नहीं किया गया है।

डॉमिनिकन गणराज्य में नाइटक्लब की छत गिरने से कम से कम 44 लोगों की मौत, 160 अन्य घायल

सैंटो डोमिंगो, एजेंसी। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में मंगलवार तड़के एक नाइटक्लब की छत गिरने की घटना में कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई और 160 अन्य घायल हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि जेट सेट नाइटक्लब में मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है। आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडेज ने कहा, ''हमारा अनुमान है कि मलबे के नीचे दबे कई लोग अब भी जिंदा हैं और प्राधिकारी हार नहीं मानेंगे, जब तक कि प्रत्येक व्यक्ति को बाहर न निकाल लिया जाए।'' मेंडेज ने बताया कि मरने वालों की संख्या 44 तक पहुंच गई है। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में मोंटेक्रिस्टी की गवर्नर नेल्सी क्रूज भी शामिल हैं। घायलों में पूर्व मेजर लीग बेसबॉल पिचर ऑक्टेवियो डोटेल भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नाइटक्लब की छत उस समय गिरी, जब मेरेंग्यू गायिका रूबी पेरेज प्रस्तुति दे रही थीं। पेरेज के मैनेजर एनरिक पॉलीनो ने संवाददाताओं को बताया कि उनका (पेरेज का) कंसर्ट सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात से कुछ समय पहले शुरू हुआ था और लगभग एक घंटे बाद नाइटक्लब की छत गिर गई। पॉलीनो के मुताबिक, हादसे में पेरेज के संगीत समूह में शामिल सैक्सोफोन वादक की मौत हो गई, जबकि पेरेज सहित अन्य सदस्य घायल हो गए। उन्होंने कहा, ''यह एक झटके में हुआ और शुरू में मुझे

लगा कि भूकंप आया है। मैंने एक कोने में जाकर किसी तरह अपनी जान बचाई।'' पॉलीनो की शर्ट खून से सने हुए थे। राष्ट्रपति लुइस अबिनाडर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि सभी बचाव एजेंसियां प्रभावित लोगों की मदद के लिए ''अथक प्रयास'' कर रही हैं। उन्होंने लिखा, ''हमें जेट सेट नाइटक्लब में हुई त्रासदी पर गहरा दुख है। हादसे के बाद से हम मिनट दर मिनट इससे जुड़ी जानकारी ले रहे हैं।'' अबिनाडर दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और अपनों को खोज रहे लोगों को गले लगाया। हालांकि, उन्होंने संवाददाताओं के सवालों के जवाब देने से परहेज किया। नाइटक्लब की छत गिरने की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। राष्ट्रपति अबिनाडर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि सभी बचाव एजेंसियां प्रभावित लोगों की मदद के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। उन्होंने लिखा, जेट सेट नाइटक्लब में हुये हादसे पर हमें गहरा दुख है। घटना के बाद से हम हर मिनट इस पर नज़र रख रहे हैं।

पहले मेंडेज ने कहा था- मरने वालों की संख्या 66 पहुंची : इससे पहले, मेंडेज ने कहा था कि मरने वालों की संख्या 66 तक पहुंच गई है, जबकि कम से कम 160 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम मलबे में दबे कुछ लोगों की आवाजें सुन रहे हैं। बचाव दल क्लब में तीन क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रहा है।

हादसे में इन हस्तियों की भी हुई मौत : नाइट क्लब की छत गिरने के बाद, डोमिनिकन गणराज्य के प्रोफेशनल बेसबॉल लीग ने एक्स पर एक पोस्ट किया। जिसमें बताया गया कि हादसे में 51 वर्षीय एमएलबी पिचर ऑक्टेवियो डोटेल की भी मौत हो गई। अधिकारियों ने डोटेल को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। लीग के प्रवक्ता सोस्की टेरेरो के अनुसार, हादसे में डोमिनिकन बेसबॉल खिलाड़ी टोनी एनरिक ब्लैंको कैबरेरा की भी जान चली गई। हादसे में राष्ट्रीय विधायक ब्रे वर्गास घायल हो गए।

मेरेंग्या गायक रूबी पेरेज की तलाश जारी : हादसे के बाद से मेरेंग्या गायक रूबी पेरेज भी गायब हैं। हालांकि, छत गिरने के समय उनके रिश्तेदारों ने कहा था कि उन्हें बचा लिया गया है, लेकिन आपातकालीन संचालन केंद्र के निदेशक मेंडेज ने इस बात को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि बचाव दल अभी भी पेरेज की तलाश कर रहे हैं। पेरेज के मैनेजर एनरिक पॉलिनो ने बताया कि कॉन्सर्ट आधी रात को शुरू हुआ और लगभग एक घंटे बाद ही छत गिर गई। हादसे में उनके समूह के सैक्सोफोनिस्ट की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना बहुत जल्दी हुई। घटना के वक्त वह एक कोने में छिप गए, उन्हें लगा था कि भूकंप आया है।

छत गिरने के कारणों का नहीं चला पता

नाइट क्लब की छत गिरने के कारणों का तुरंत पता नहीं चल पाया है। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि जेट सेट बिल्डिंग का आखिरी बार कब निरीक्षण किया गया था। इस बीच, क्लब ने एक बयान जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि वह अधिकारियों का सहयोग कर रहे हैं। क्लब की ओर से बताया गया है कि जब हादसा हुआ, उस समय क्लब के मालिक एंटोनियो एस्पैलेट देश में नहीं थे। हादसे का पता लगने के बाद वह मंगलवार देर रात वापस लौट आए। उन्होंने कहा, इस घटना से जो दुख पहुंचा है।

पुर्तगाल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत को अपना समर्थन दोहराया

लिस्बन, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पुर्तगाल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की पुर्तगाल की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के समापन पर, सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने प्रेस को बताया कि दोनों देश संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''पुर्तगाली नेतृत्व ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अपना समर्थन दोहराया है।'' भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि वह स्थायी सदस्य के रूप में यूएनएससी में स्थान पाने का हकदार है। भारत का कहना है कि 1945 में गठित 15 सदस्यीय यूएनएससी 21वीं सदी की जरूरतों के लिए उपयुक्त नहीं है और यह समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती।

लाल ने कहा कि पुर्तगाल, भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा, ''यह संबंध उपयोगी है क्योंकि भारत और यूरोपीय संघ वर्तमान में एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) पर बातचीत कर रहे हैं और हमारे पास अंतर-मंत्रालयी स्तर पर एक व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद भी है।

चीन में बड़ा हादसा, नर्सिंग होम में आग लगने से 20 की मौत

बीजिंग, एजेंसी। उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत में एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई। आग मंगलवार रात करीब 9 बजे चेंगडे शहर के लोंगहुआ काउंटी में लगी। बुधवार सुबह तक कुल 20 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बुधवार को बताया कि उत्तरी चीन के एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि 8 अप्रैल को स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे हेबेई प्रांत के चेंगडे शहर में स्थित एक नर्सिंग होम में आग लग गई।

शिन्हुआ ने बताया कि नर्सिंग होम में आग लगने के बाद सुरक्षित निकाले गए लोगों को आगे की निगरानी और उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल कितने लोग घायल हैं इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, आग के कारणों की जांच अभी चल रही है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि वे पूरी स्थिति की जांच कर रहे हैं और इस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

कनाडा के चुनावी मैदान में पहली बार उतरे गुजराती, पहले राजनीति में पंजाबियों का था बोलबाला

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में इस महीने होने वाले 45वें संघीय चुनाव में भारतीय मूल के चार गुजराती उम्मीदवार पहली बार चुनावी मैदान में हैं। इससे पहले तक कनाडाई राजनीति में पंजाबी समुदाय का ही बोलबाला था, लेकिन अब गुजराती भी राजनीति में अपनी पहचान बना रहे हैं। गुजराती समुदाय से जयेश ब्रह्मभट्ट, सुंजीव रावल, अशोक पटेल और मिनेश पटेल इस बार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से दो उम्मीदवार पार्टी टिकट पर और दो निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतरे हैं।

पंजाबी अब भी ताकतवर, गुजराती भी दिखा रहे हैं दम : कनाडा में भारतीय समुदाय के लोग बड़ी संख्या में है, जिसमें पंजाबी और गुजराती सबसे ज्यादा हैं। जहां पंजाबी समुदाय लंबे समय से राजनीति में सक्रिय है, वहीं गुजराती अब अपने सामाजिक योगदान और व्यापारिक समाज के दम पर राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे हैं। गुजराती आमतौर पर व्यापार से जुड़े होते हैं और कनाडा में अच्छी आर्थिक स्थिति बनाने के बाद अब समाजसेवा और राजनीति में उतर रहे हैं। वहीं पंजाबी समुदाय की बात करें तो वे पहले से ही संसद, मंत्री पद और बड़े राजनीतिक पदों पर काबिज रहे हैं।

ये गुजराती उम्मीदवार लड़ रहे चुनाव : जयेश ब्रह्मभट्ट (ब्रैम्पटन चिंगुएकौसी पार्क) - जयेश साल 2001 में भारत से कनाडा आए थे। पेशे से सिविल इंजीनियर हैं और अब एक सफल रियल एस्टेट कारोबारी हैं। अब

पीपल्स पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। उनका कहना है, हम स्वतंत्रता, जिम्मेदारी, और सभी के लिए सम्मान की बात करते हैं। मुझे लोगों से अच्छा समर्थन मिल रहा है। बदलाव की उम्मीद है। सुंजीव रावल (कैलगरी मिदनापुर) - सुंजीव रावल पिछले 20 साल से कनाडा में हैं और खुद का बिजनेस चलाते हैं। वह कई भारतीय संगठनों से जुड़े हुए हैं और सामुदायिक कार्यों में सक्रिय हैं। उनका कहना है, हम मध्यम वर्ग के मुद्दों - जैसे महंगाई, मकान, और रोजगार - पर लड़ रहे हैं। इमिग्रेशन को भी संतुलित करने की जरूरत है। अशोक पटेल (एडमोंटन शेरवुड) - स्वतंत्र उम्मीदवार - अशोक पटेल कारोबारी हैं और पहली बार राजनीति में आए हैं। उनका उद्देश्य है कि वे लोगों की सेवा संसद में जाकर करें। मिनेश पटेल (कैलगरी स्काईव्यू) - स्वतंत्र उम्मीदवार - मिनेश भी व्यापारी हैं और अपने इलाके के लोगों की समस्याओं को लेकर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मानना है कि जमीनी स्तर पर बदलाव जरूरी है। डॉन पटेल को नहीं मिला टिकट कनाडा की कंजरवेटिव पार्टी ने एक और गुजराती उम्मीदवार डॉन पटेल को टिकट देने पर विचार किया था। डॉन पटेल मूल रूप से गुजरात के आणंद जिले से हैं और कनाडा में रियल एस्टेट में सफल कारोबारी हैं। लेकिन आखिर में उन्हें पार्टी का टिकट नहीं मिला। हेमंत शाह, जो ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ इंडिया कनाडा (ओएफआईसी) में इंटरनेशनल ट्रेड डायरेक्टर हैं, उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं है।

ट्रंप प्रशासन ने वापस लिया अमेरिका के खाद्य कार्यक्रमों की फंडिंग में कटौती का फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने 14 कम आय वाले देशों में संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत आपातकालीन परियोजना के लिए फंडिंग की कटौती के फैसले को वापस लिया है। मंत्रालय ने कहा कि कुछ जीवन रक्षक मदद के अनुबंधन गलती से समाप्त कर दिए गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, कुछ ऐसे कार्यक्रम थे, जिन्हें अन्य देशों में की गई कटौती में गलती से शामिल किया गया था। उन्हें वापस ले लिया गया है और फिर से लागू किया गया है।

हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि कौन से देश हैं, जहां अमेरिका की फंडिंग बहाल की गई है। यह गलती कैसे हुई, इस बारे में भी ब्रूस ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। विश्व खाद्य कार्यक्रम की ओर से इस पर मुद्दे पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। सोमवार को एक रिपोर्ट में बताया गया था कि ट्रंप प्रशासन ने अफगानिस्तान, सीरिया, यमन और 11 अन्य संघर्ष ग्रस्त देशों में विश्व खाद्य कार्यक्रम की

आपातकालीन परियोजनाओं के लिए फंडिंग में कटौती की थी, जिससे लाखों लोगों की जान संकट में पड़ गई। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि आपातकालीन खाद्य कार्यक्रमों और जीवनरक्षक मदद को बहाल किया जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति कारोबारी एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) ने अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) के कई कार्यक्रमों को बंद कर दिया है। अब ट्रंप प्रशासन ने 14 देशों में अमेरिकी फंडिंग में कटौती के फैसले को वापस लिया है। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने इस कदम पर फिर से विचार करने का आह्वान किया था और चेतावनी दी थी कि यह कदम लाखों लोगों की मौत की वजह बन सकता है।

यमन में अमेरिकी हवाई हमलों में 6 लोगों की मौत, 15 घायल

सना , एजेंसी। हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार को यमन में कई अमेरिकी हवाई हमले हुए, जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेइदाह में छह लोगों की मौत हुई है और 13 घायल हुए हैं। हमला, अमीन मुकबिल इलाके के एक रिहायशी इलाके पर हुआ। वहीं, धमार प्रांत में दो अन्य लोग घायल हुए, जहां एक खेत पर हमला हुआ था। हूती टेलीविजन और स्थानीय निवासियों के अनुसार, पश्चिमी-मध्य प्रांत अमरान और मध्य प्रांत इब्ब के दूरसंचार बुनियादी ढांचे पर जबरदस्त बमबारी हुई।

हूती टेलीविजन ने कहा कि नागरिक सुरक्षा दल लक्षित सुविधाओं में आग बुझाने के लिए काम कर रहे हैं। इससे पहले अमेरिका ने मंगलवार को हूती विद्रोहियों के ठिकानों के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को तेज कर दिया। उन्होंने कुल 50 हवाई हमले किए। इन हमलों को लेकर अमेरिकी सेना ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन उसने पहले बयानों में कहा था कि वह तब तक प्रतिदिन हवाई हमले करना जारी रखेगा, जब तक कि हूती लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों और अमेरिकी युद्धपोतों पर हमला करना बंद नहीं कर देता।

अमेरिका के लगातार हवाई हमलों का असर हूती समूह पर पड़ता नहीं दिख रहा है, जो इस क्षेत्र में अमेरिकी और इजरायल की शिप्स पर हमले जारी रखे हुए है। हूती विद्रोहियों का दावा है कि उनके हमले अमेरिका समर्थित इजरायल पर दबाव डालने के लिए हैं, ताकि वह गाजा पट्टी पर हवाई हमले बंद करे और वहां मानवीय सहायता पहुंचने दे। इससे पहले अमेरिका ने मंगलवार को यमन में हूती बलों के ठिकानों के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी और उत्तरी यमन में 22 हवाई हमले किए। इन हमलों ने राजधानी सना के पूर्वी और दक्षिणी इलाकों लाल सागर में कमरान द्वीप और तेल से समृद्ध मारिब प्रांत को निशाना बनाया। यह जानकारी हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी और स्थानीय निवासियों ने दी।

चीन का पलटवार करना गलती, खत्म हो चुका अमेरिका के आर्थिक आत्मसमर्पण का युग : कैरोलिन लीविट

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को घोषणा की कि चीन पर बुधवार से 104 फीसदी टैरिफ लागू होंगे। इसे टैरिफ युद्ध की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। यह कदम बाजारों को हिलाकर रख देने वाला साबित हो सकता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने एक मीडिया ब्रिफिंग के दौरान जोर देकर कहा कि चीन का अमेरिका पर पलटवार करना एक गलती थी। उन्होंने कहा कि जब अमेरिका को चुनौती दी जाती है, तो उसकी प्रतिक्रिया मजबूत होती है। लीविट ने कहा, चीन का पलटवार करना एक गलती थी। जब अमेरिका को घूंसा मारा जाता है, तो वह और भी जोर से पलटवार करता है। इसी वजह से आज रात (स्थानीय समयानुसार) से चीन पर 104 फीसदी टैरिफ लागू होंगे। अगर चीन समझौता करने के लिए संपर्क करता है, तो अमेरिका बहुत उदार होगा। उन्होंने आगे कहा, यह नए टैरिफ ट्रंप प्रशासन के उन प्रयासों का हिस्सा हैं, जो उन व्यापार प्रथाओं को सुधारने के लिए हैं, जिन्हें वह अनुचित मानते हैं और जिनकी वजह से अमेरिका के कामकाजी वर्ग को नौकरी के नुकसान और आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ा है। उन्होंने चीन की व्यापार नीतियो की आलोचना करते हुए कहा कि चीन ने अमेरिका के कामकाजी वर्ग के लिए आर्थिक समस्याएं बढ़ा रहा है। प्रेस सचिव ने आगे कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने यह बहुत स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिका के

आर्थिक आत्मसमर्पण का युग का खत्म हो चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप अब अमेरिकी कामकाजी वर्ग और कंपनियों को उन मूर्खतापूर्ण व्यापार प्रथाओं के हाथों धोखा नहीं खाने देंगे, जो लाखों उच्च वेतन वाली नौकरियां छीन ले जाती हैं और देश के समुदायों को खाली कर देती हैं। उन्होंने कहा, चीन सहित जिन देशों ने पलटवार करने का फैसला लिया है और अमेरिका के कामकाजी वर्ग के साथ अपने बुरे व्यवहार को आगे बढ़ाने की कोशिश की है, वे गलती कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप की रीढ़ लोहे की तरह मजबूत है। वह टूटेंगे नहीं। उनके नेतृत्व में अमेरिका नहीं टूटेगा। लीविट ने कहा, ट्रंप ने टैरिफ की अवधि बढ़ाने या उन्हें टालने पर कोई विचार नहीं किया है, लेकिन वह फोन उठाककर किसी से भी बात करने के लिए तैयार हैं।

पनामा नहर को चीन से लगातार खतरा: अमेरिकी रक्षा मंत्री : उधर, अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मंगलवार को कहा कि पनामा नहर को चीन से लगातार चीन से खतरा है, लेकिन अमेरिक और पनामा मिलकर इसे सुरक्षित बनाएंगे। पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो के साथ बैठक के बाद नौसेना के नुनेज डी बालबोओ बेस पर एक अमेरिकी वित्त पोषित डॉक का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका और पनामा नहर के संचालन को खतरे में डालने वाले किसी भी देश को इसकी सुरक्षा से समझौता नहीं करने देंगे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत सिविल अस्पताल के बाथरूम से मिला भ्रूण

स्टेमसेल बिल्डिंग के E-1 वार्ड से भ्रूण मिलने पर पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर जांच शुरू

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सिविल अस्पताल के गायनिक विभाग से नवजात शिशुओं की चोरी की घटनाओं के बीच, बीती शाम स्टेमसेल बिल्डिंग के श्व-1 वार्ड से भ्रूण मिलने पर हड़कंप मच गया। इस मामले की जानकारी खटोदरा पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। हालांकि, रात से लेकर दोपहर तक विभिन्न सीसीटीवी एंगल्स से जांच चलने के बावजूद अब तक कोई ठोस सफलता नहीं मिल सकी है।

सूचना के अनुसार, नई सिविल अस्पताल की स्टेमसेल बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल पर स्थित E-1 वार्ड में बीती शाम एक सफाई कर्मचारी सफाई के लिए गया था, तभी उसने बाथरूम का दृश्य देखकर चौंक गया। बाथरूम में एक भ्रूण पड़ा हुआ था। इस बारे में तुरंत उच्च अधिकारी को सूचित किया गया और फिर पूरा मामला खटोदरा पुलिस स्टेशन तक पहुंचा। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी थी।

खटोदरा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इस घटना की जानकारी हमें बीती रात मिली थी, जिसके बाद तुरंत जांच शुरू कर दी गई थी। डी-स्टाफ की एक टीम गठित की गई है और कल रात से ही अस्पताल में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि भ्रूण वहां किसने फेंका, वह कैसे वहां पहुंचा और इससे जुड़ी अन्य ठोस जानकारी क्या है। फिलहाल जांच जारी है।

इसके अलावा जानकारी मिली है कि E-1 वार्ड में भर्ती महिलाओं के रिकॉर्ड की भी गहराई से जांच की जा रही है। इस मामले को फिटल मिसकैरेज (गर्भपात) या अवैध गर्भपात से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। हालांकि, इस बारे में पूरी स्पष्टता पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगी।

नवसारी जिले में प्रशासनिक फेरबदल

तीन PSI को PI के रूप में पदोन्नति, नायब मामलतदारों का अंतर-जिला तबादला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी जिले में प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल किया गया है। इसमें तीन सहायक पुलिस निरीक्षकों (PSI) को पदोन्नति देकर पुलिस निरीक्षक (PI) बनाया गया है। साथ ही नायब मामलतदारों के अंतर-जिला तबादले भी किए गए हैं। इन फेरबदल का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना और क्षेत्रीय व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करना बताया जा रहा है।

नवसारी जिले में प्रशासनिक तंत्र में बड़े बदलाव किए गए हैं। जिले में कार्यरत 12 नायब मामलतदारों के अंतर-जिला तबादले के आदेश जारी किए गए हैं। साथ ही, जिले के पुलिस विभाग में भी महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। SOG शाखा में कार्यरत तीन पुलिस सब इंस्पेक्टरों को पदोन्नति दी गई है। PSI प्रीतेश चित्ते, मनोरमा मोर्या और राहुल गोहिल को पुलिस इंस्पेक्टर के रूप में पदोन्नति मिली है। राज्य सरकार के इस निर्णय के अनुसार, जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनकी जगह नए अधिकारी कार्यभार संभालेंगे। इन फेरबदल से जिले के प्रशासनिक और पुलिस तंत्र में नई सक्रियता और कार्यक्षमता आने की उम्मीद है।

181 अभयम् टीम ने की मदद

पीड़िता को सोशल मीडिया पर फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर परेशान करने वाले पूर्व प्रेमी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक पीड़िता को एक युवक सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा था। युवक न केवल धमकी दे रहा था बल्कि मानसिक रूप से भी परेशान कर रहा था। इस मामले में पीड़िता ने 181 अभयम् की मदद ली थी, मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के सचिन GIDC क्षेत्र में रहने वाली पीड़िता ने काउंसलिंग के दौरान बताया कि वह एक कंपनी में धागा कटिंग और सिलाई मशीन चलाती हैं। उनकी उम्र 25 वर्ष है। वह सोशल मीडिया के माध्यम से एक लगभग 37 वर्षीय पुरुष के संपर्क में आई थीं। ढाई वर्षों से दोनों के बीच प्रेम संबंध था। दोनों एक ही कंपनी में काम करते थे। पीड़िता ने उस कंपनी में 3 महीने तक नौकरी की थी, लेकिन बाद में नौकरी छोड़ दी और अब पिछले दो वर्षों से उनका उस पुरुष से किसी भी प्रकार का कोई रिश्ता नहीं है। जब पीड़िता ने उससे बातचीत बंद कर दी, तो वह व्यक्ति पिछले कुछ दिनों से उन्हें फोन और मैसेज के माध्यम से ब्लैकमेल करने लगा।

युवक दोबारा उसके साथ रिश्ते में आने के लिए ज़ोर डाल रहा था, लेकिन पीड़िता ने इनकार कर दिया। इसके बाद वह युवक दोनों के फोटो पीड़िता को भेजकर धमकी देने लगा कि वह उन्हें इंस्टाग्राम और फेसबुक पर वायरल कर देगा। इससे परेशान होकर पीड़िता ने 181 अभयम् पर कॉल कर सहायता मांगी, ताकि उस व्यक्ति को समझाया जा सके कि वह अब उनके साथ कोई रिश्ता नहीं रखना चाहती और उसे ब्लैकमेल न किया जाए। इसके बाद 181 की टीम उस युवक की कंपनी में पहुंची, उसे बुलाया गया और उसका काउंसलिंग किया गया।

युवक ने बताया कि वह और पीड़िता प्रेम संबंध में थे, लेकिन कुछ समय से पीड़िता उससे बात नहीं कर रही थी। युवक ने दावा किया कि पीड़िता ने खुद उसे अपने फोटो और वीडियो दिए थे, और उसने ही उसे कॉल किया था।

फिर एक बार जब पीड़िता की काउंसलिंग कर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वे दोनों पहले प्रेम संबंध में थे, लेकिन युवक के शक करने और उसकी हरकतों के चलते उसने उसे साफ कह दिया था कि अब वे दोनों अपनी-अपनी फैमिली को देखेंगे और वह अब उससे कोई बात नहीं करेगी।

इस पर युवक ने धमकी दी कि अगर वह उससे बात नहीं करेगी, तो वह उसके फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। इससे डरकर पीड़िता ने 181 अभयम् की मदद ली।

181 टीम द्वारा उस युवक को, जिसके साथ पीड़िता का प्रेम संबंध था, शांतिपूर्वक और प्रेमपूर्वक समझाया गया तथा उसे कानूनी जानकारी दी गई। उसे बताया गया कि किसी के फोटो या वीडियो मोबाइल में रखना भी एक अपराध हो सकता है। इसके बाद युवक के मोबाइल से सभी फोटो-वीडियो डिलीट करवाए गए। साथ ही दोनों को यह भी समझाया गया कि अब वे अपने-अपने परिवार की ज़िम्मेदारी निभाएं।

युवक ने फोटो डिलीट कर दिए और यह आश्वासन दिया कि वह भविष्य में पीड़िता को फोटो के बहाने कोई धमकी या ब्लैकमेल नहीं करेगा। उसने अपनी गलती स्वीकार की और पीड़िता से माफ़ी मांगते हुए लिखित रूप में भरोसा भी दिया।

SMC (सूरत महानगर पालिका) के स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी कमिश्नर डॉ. आशिष नायक ने अचानक अपने पद से इस्तीफा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका में स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी कमिश्नर के पद पर कार्यरत डॉ. आशिष नायक ने अचानक इस्तीफा दे दिया, जिससे पूरे पालिका परिसर में यह चर्चा का विषय बन गया है। पिछले 27 वर्षों से सूरत महानगरपालिका में विभिन्न पदों पर सेवाएं दे रहे आशिष नायक के इस्तीफे को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

पालिका के डिप्टी स्वास्थ्य आयुक्त आशिष नायक ने मेडिकल कारणों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि उनकी अस्वस्थता के चलते वे अपने पद से मुक्त होना चाहते हैं। शारीरिक समस्याओं के कारण उन्होंने सेवा से निवृत्त होने का निर्णय लिया है। हालांकि, उनका इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया है कि उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया है।

पिछले कुछ समय से डिप्टी स्वास्थ्य आयुक्त के रूप में कार्यरत आशिष नायक से ठोस कचरा प्रबंधन (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) विभाग भी हटा लिया गया था। ऐसा कहा जा रहा है कि ठोस कचरा प्रबंधन को लेकर उनके कार्य से असंतोष था। साथ ही स्वच्छता सर्वेक्षण के दस्तावेजीकरण कार्य में भी उनका रवैया ढीला बताया जा रहा है। इसको लेकर म्युनिसिपल कमिश्नर द्वारा उन्हें फटकार भी लगाई गई थी।

पुलिस ने आरोपियों से कराया लाइव डेमो।

कागज़ की गड्डी बनाकर ऊपर-नीचे असली नोट लगाकर करते थे भ्रमित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के इच्छापुर क्षेत्र से एक ऐसी ठगी करने वाली गैंग पकड़ी गई है, जो औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर 500 के नोट जैसी दिखने वाली कागज़ की गड्डी दिखाकर नकद रुपये हड़प कर ठगी करती थी। करते और लालच देते थे कि ‘‘भाई, मेरे पास पैसों की गड्डी है, अगर तुम मेरे अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दो, तो मैं यह पूरी गड्डी तुम्हें मुनाफे में दे दूंगा, ये पैसे किसी से उधार लिए हैं’’ नकली नोटों की गड्डी देखकर लोग लालच में आ जाते थे और 10,000 से 15,000 रुपये नकद देकर ठगी का शिकार बन जाते थे। इसके बाद आरोपी उन्हें नकली नोटों की गड्डी थमाकर फरार हो जाते थे। जब लोग घर जाकर गड्डी खोलते, तो अंदर सिर्फ एक असली नोट निकलता, बाकी सारे कागज के टुकड़े होते थे।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्होंने इच्छापुर पुलिस के सामने यह ठगी किस तरह करते थे, उसका लाइव डेमोस्ट्रेशन भी दिया।

आरोपी खुद एक रुमाल लेते थे और उसमें 500 रुपये के नोट के आकार के खाली कागजों की गड्डी बनाते थे। इस गड्डी के ऊपर और नीचे असली 500 रुपये के नोट रखते थे ताकि पूरी गड्डी असली नोटों जैसी लगे। यह गैंग खास तौर पर बैंकों और एटीएम के आसपास नजर रखती थी। जैसे ही कोई नागरिक एटीएम या बैंक से पैसे निकालकर बाहर निकलता, तब आरोपी उससे बातचीत शुरू इच्छापुर पीआई अनिरुद्ध सिंह गोहिल ने बताया कि सूरत शहर के बैंक और एटीएम क्षेत्रों में ‘गड्डी गैंग’ सक्रिय हो गई थी। यह गैंग विशेष रूप से उन लोगों को निशाना बनाती थी जो बैंक से पैसे निकालते थे। आरोपी ऐसे नागरिकों से संपर्क करते और उन्हें कहते कि अगर आप मेरे बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर कर दो, तो मैं आपको यह पूरी नोटों की गड्डी दे दूंगा। वो यह भी कहते थे कि यह पैसे उन्होंने किसी से लिए हैं या चुराए हैं। साथ ही, वे अपने रुमाल में बंद की गई नकली नोटों की गड्डी दिखाते थे। गड्डी में ऊपर और नीचे असली 500 की नोट रखी होती थी, जिससे पूरी गड्डी असली लगती थी।

लोग जब ये देखकर लालच में आ जाते थे, तो 10,000 से 15,000 रुपये नकद दे देते थे। इसके बाद आरोपी उन्हें गड्डी थमा कर वहां से फरार हो जाते थे। जब लोग घर जाकर गड्डी खोलते थे, तो अंदर केवल एक असली 500 की नोट होती थी और बाकी सब कागज के टुकड़े निकलते थे।

सिक्योरिटी गार्ड के वेश में राक्षस

माँ को डंडे से पीटा और बेटी को बाल पकड़कर घसीटते हुए मारी लात, बेरहमी से पीट रहे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में सिक्योरिटी गार्ड के वेश में राक्षस का वीडियो सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में देखा जा सकता है कि एक सिक्योरिटी गार्ड और एक अन्य शख्स मां-बेटी को बेरहमी से पीट रहे हैं। एक गार्ड युवती को बाल पकड़कर घसीटते हुए लात मार रहा है, तो दूसरा व्यक्ति हाथ में डंडा लेकर महिला को पीट रहा है। यह हिंसक घटना खुले रोड पर हो रही है, लेकिन ऐसा लगता है जैसे सभ्य समाज एक जिंदा लाश बनकर देखता रह गया—कोई भी उस मां-बेटी को बचाने आगे नहीं आया।

बताया गया है कि महिला, उसका पति और उनकी बेटी सब्ज़ी मार्केट में चोरी करने आते थे, जिससे उन्हें पहचान लिया गया था। जब उन्हें अंदर आने से रोका गया, तो उन्होंने हमला कर दिया। इस हमले में सिक्योरिटी गार्ड के सिर में चोट आई और हाथ में फ्रैक्चर हो गया। इसके बाद महिला के पति ने भी हमला किया। इस मामले में दोनों पक्षों की तरफ से शिकायत दर्ज कराई गई है और महिलाओं को मारने से पहले की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है।

वायरल वीडियो सूरत के APMC का है, जहां सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करने वाला एक शख्स, दूसरे व्यक्ति के साथ मिलकर माँ-बेटी पर बेरहमी से टूट पड़ता है। वीडियो में देखा जा सकता है कि माँ को डंडों से पीटा जा रहा है, जबकि उसकी बेटी को बालों से पकड़कर घसीटा जा रहा है और लातें मारी जा रही हैं। इस माँ-बेटी पर सब्ज़ी चोरी का आरोप लगाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह वीडियो 6 अप्रैल का है। वीडियो के वायरल होने के बाद पुणा पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। साथ ही पुणा पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज किया है।

महिलाओं द्वारा बार-बार सब्ज़ी चोरी करने की शिकायतें सामने आई थीं, और इसी दौरान उन पर आरोप लगाकर मारपीट की गई थी—ऐसी जानकारी सामने आई है।

वीडियो की जांच करने पर पता चला कि यह घटना पुना सरदार मार्केट APMC के गेट नंबर 2 के अंदरूनी हिस्से में, सार्वजनिक सड़क पर हुई थी। वीडियो में सरदार मार्केट के गेट पर तैनात सिक्योरिटी गार्ड महिलाओं को सरेआम मारते हुए दिखाई दे रहे हैं।

CCTV फुटेज, ह्यूमन सोर्स और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में अनिल उमाशंकर तिवारी (उम्र 48 वर्ष, पेशा: नौकरी, निवासी सरदार मार्केट, पुना गांव, सूरत शहर) और आदित्यकुमार राजेशकुमार सिंह (उम्र 26 वर्ष, पेशा- सिक्योरिटी गार्ड, निवासी सरदार मार्केट, पुना गांव, सूरत) शामिल हैं।

इस मामले में डीसीपी आलोक कुमार ने बताया कि महिला, उसका पति और उसकी बेटी सब्ज़ी मार्केट में चोरी करने आते थे, इसलिए उन्हें पहचान लिया गया था और अंदर आने से रोका गया था। इसी बात पर उन्होंने सिक्योरिटी गार्ड पर हमला कर दिया, जिसमें गार्ड के सिर में चोट आई और हाथ में फ्रैक्चर भी हुआ। इसके बाद महिला के पति ने भी हमला किया।

इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से शिकायत दर्ज की गई है। यह वायरल वीडियो 6 अप्रैल का है। हालांकि, चूंकि सिक्योरिटी गार्ड ने भी कानून को अपने हाथ में लिया था, इसलिए उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की गई है।

वरियाव में सिटी बस दुर्घटना में 18 यात्रियों की जान बचाई गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वरियाव रोड से यात्रियों से भरी एक सिटी बस गुजर रही थी, तभी बस के ड्राइवर ने स्टेयरिंग से नियंत्रण खो दिया। इसके चलते बस के बाईं ओर के टायर गड्ढे में उतर गए, जबकि दाईं ओर के पहियों पर बस झूलती रह गई। इस घटना के कारण बस में सवार सभी 18 यात्रियों की सांसें अटक गई थीं, यहां तक कि बस ड्राइवर भी फंस गया था।

हालांकि, सभी यात्री सुरक्षित रूप से खुद बाहर निकल आए। दूसरी ओर, इस घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और मदद के लिए लोगों की भीड़ वहां जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम और स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

फायर विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, मरून रंग की एक सिटी बस वरियाव से जहांगीरपुरा की ओर जा रही थी, तभी सड़क के किनारे बस के बाएं तरफ के टायर सड़क से उतरकर गड्ढे में फंस गए थे, जबकि दाईं तरफ के टायरों के सहारे बस झूलती रह गई थी। इस स्थिति के कारण बस के अंदर बैठे यात्री घबरा गए थे।

इस घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के कई लोग मौके पर दौड़कर पहुंचे और बस में फंसे यात्रियों की मदद करने लगे।